आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 157। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 11 जून, 2025

आरोपियों ने कबूला सोनम के सामने की राजा की हत्या

इंदौर क्राइम ब्रांच ने बताया-विशाल ने किया पहला वार; शव को खाई में फेंका

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार चारों आरोपियों राज कुशवाह, आकाश राजपूत, विशाल चौहान और आनंद कुर्मी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजा की हत्या के समय सोनम वहां मौजूद थी और पति को मरते हुए देख रही थी।

इंदौर क्राइम ब्रांच ACP पूनमचंद ने कहा, 'चारों आरोपियों ने बताया कि इंदौर से शिलॉन्ग की डायरेक्ट ट्रेन नहीं है। इसलिए वे ट्रेन से गुवाहाटी होते हुए शिलॉन्ग पहुंचे थे। विशाल ने हथियार खरीदा था। उसने ही राजा पर पीछे से पहला वार किया था। जब राजा अचेत हुआ तो सभी ने मिलकर राजा को नीचे खाई में फेंक दिया।'

मंगलवार को शिलॉन्ग पुलिस सोनम को लेकर पहले पटना एयरपोर्ट पहुंची। यहां से उसे पहले कोलकाता, फिर गुवाहाटी ले जाया गया। यहां से शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है। इधर, शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम इंदौर से चार आरोपियों को लेकर पहले दिल्ली ले गई। यहां से कनेक्टिंग फ्लाइट से गुवाहाटी और फिर शिलॉन्ग लेकर पहुंचेगी।

9 जून को यूपी की गाजीपुर कोर्ट ने सोनम को 3 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर मेघालय पुलिस को सौंपा। वहीं इंदौर की कोर्ट ने चार आरोपियों को 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा है। सोनम समेत पांचों आरोपियों को बुधवार को शिलॉन्ग की कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मेघालय के मावलखियात में स्थानीय गाइड अल्बर्ट पीडी ने इंदौर के राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के साथ आए संदिग्धों में से एक की पहचान कर ली है।

इंदौर एयरपोर्ट पर एक आरोपी को थप्पड़ मारा

मंगलवार को शिलॉन्ग पुलिस जब चारों आरोपियों को लेकर इंदौर एयरपोर्ट पहुंची तो वहां मौजूद एक शख्स ने एक आरोपी को थप्पड़ जड़ दिया। सुशील लकवानी ने कहा कि मैं गुस्से में हूं कि इंदौर के एक निवासी की हत्या कर दी गई। आरोपी को मौत तक फांसी पर लटका देना चाहिए। महिला ने पूरी प्लानिंग के साथ उस व्यक्ति की हत्या की।

हत्या के बाद ट्रेन से इंदौर आई थी सोनम

पति राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम रघुवंशी 25 मई को शिलॉन्ग से सिलीगुड़ी के रास्ते ट्रेन से इंदौर पहुंची थी। शिलॉन्ग एसपी विवेक स्यैम ने बताया कि सोनम इंदौर आने के बाद किराए के कमरे में रुकी थी। सोनम को एक ड्राइवर ने वाराणसी में ड्रॉप किया था, जहां से वह गाजीपुर पहुंची थी।

प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया, पीएम मोदी बोले

प्रतिनिधिमंडलों ने जिस तरह भारत की आवाज को आगे बढ़ाया, उस पर हमें गर्व

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के खतरे को खत्म करने की जरूरत पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने जिस तरह से विभिन्न देशों के सामने भारत के विचार को रखा, उस पर उन्हें गर्व है। पीएम मोदी ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया। इनमें वर्तमान व पूर्व सांसद और मौजूदा व पूर्व राजनयिक शामिल थे, जिन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में 33 विश्व राजधानियों की यात्रा की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, विभिन्न देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की और शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता तथा आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। जिस तरह से उन्होंने भारत की आवाज को आगे बढ़ाया, उस पर हम सभी को गर्व है। सदस्यों ने प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। केंद्र सरकार पहले ही 50 से अधिक व्यक्तियों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों के काम की प्रशंसा कर चुकी है।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी रात्रि भोज में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बचपन के मित्र और संबंधी की बीमारी की वजह से दुबई जाना पड़ा, इसलिए वह रात्रि भोज में शामिल नहीं हो पाए। इसके बारे में उन्होंने पहले ही प्रतिनिधिमंडल के नेता वैजयंत पांडा को जानकारी दे दी थी।

पीएम बहुत अच्छे और अनौपचारिक तरीके से मिले : थरूर

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अनौपचारिक बैठक के लिए पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि बैठक दौरान वह बहुत खुशमिजाज थे और हमारे अनुभवों को बहुत ध्यान से सुना। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, पीएम मोदी हम सभी के साथ बहुत अच्छे से पेश आए। मुझे लगता है कि उन्होंने इसे प्रतिनिधिमंडलों को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद देने के अवसर के रुप में देखा। उन्होंने हम सभी के साथ एक घंटे से अधिक समय बिताया। वह लॉन में अलग-अलग टेबलों पर घूमते रहे। हम सभी ने उनके साथ बहुत हीअनौपचारिक तरीके से बातचीत की। यह बिल्कुल भी औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम सभी ने उनके साथ बहुत सी बातें साझा कीं।

दिल्ली में अपार्टमेंट के सातवें फ्लोर पर आग लगी

दो बच्चों और पिता ने बालकनी से छलांग लगाई; तीनों की मौत

एजेंसी ● नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर-13 के शबद अपार्टमेंट में सातवें फ्लोर पर आग लगने के बाद पिता और दो बच्चे बालकनी से कूद गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 स्थित शबद अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल के एक फ्लैट में मंगलवार सुबह आग लग गई। फ्लैट के अंदर एक पिता अपने दो बच्चों (एक लड़का-एक लड़की) के साथ फंस गए थे।

बचने के लिए 10 साल के दोनों बच्चों ने बालकनी से छलांग लगाई। उनके साथ उनके पिता यश यादव (35) ने भी छलांग लगा दी। तीनों को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि उन्हें सुबह 10:01 बजे इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत आठ फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों ने बिना देर किए बचाव और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया था। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

जयराम रमेश बोले- शाह का कश्मीर और मणिपुर में शांति का दावा निराधार

एजेंसी ● नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने के दावे को विचित्र बताया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- शाह के जम्मू-कश्मीर-मणिपुर में शांति को लेकर किए गए दावे बेतुके और निराधार हैं। ये दावे वास्तव में उनकी अपनी बड़ी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए किए गए हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर 9 जून को अमित शाह ने X पोस्ट की थी। इसमें लिखा था- 11Years Of Seva, राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हुआ है।

उन्होंने लिखा था कि देश में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति स्थापित हुई है। भारत अब

आतंकवादियों के घर में घुसकर आतंकवादी हमलों का जवाब देता है। यह मोदी सरकार के तहत भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाता है।

शाह ने X पोस्ट में लिखा था- भारत अब आतंकवादियों के घर में घुसकर आतंकवादी हमलों का जवाब देता है। यह मोदी सरकार के तहत भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाता है। मोदी 3.0 में नया भारत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की शक्ति के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

दैनिक आदित्य भारत

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

'रश बाय हाइक' ने भारत में स्किल-आधारित गेमिंग को बढ़ावा देने के लिए कृष्णा अभिषेक के साथ मिलकर

अपनी पहली कैंपेन चलो जीत की चाल लॉन्च

संवाददाता ● भोपाल

भारत की रियल-मनी गेमिंग दुनिया में अब मज़ा और देसी तड़का दोनों आ गया है। हाइक के स्किल-बेस्ड कैजुअल गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म 'रश' ने अपना पहला ब्रांड कैंपेन #चलोजीतकीचाल लॉन्च किया है, जिसमें मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक नजर आ रहे हैं। यह कैंपेन ह्यूमर, मेहनत और रोज़मर्रा की जुगाड़ से भरपूर है, और उन तेज़-दिमाग और फुर्तीले खिलाड़ियों को सेलिब्रेट करता है जो भारत में ज़िंदगी की चुनौतियों को गेम-जैसी जीत में बदल देते हैं।

लॉन्च

रश के सबसे महत्वाकांक्षी कम्युनिकेशन कैंपेन के रूप में, यह पाँच हफ्तों का अभियान 10 जून से टीवी, रेडियो और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर शुरू हो रहा है, और इसका उद्देश्य भारत के तेज़ी से बढ़ते हिंदी भाषी बाजारों में 2 करोड़ से अधिक यूज़र्स तक पहुँचना है।

चलोजीतकीचाल का मकसद है रोज़मर्रा के उन चैंपियनों का जश्न मनाना, जो ज़िंदगी की उलझनों को हुनर, मेहनत और दिल से सुलझाते हैं, और हर चुनौती को जीत के मौके में बदल देते हैं। रश के सबसे पॉप्युलर गेम लूडो के साथ, कृष्णा अभिषेक अपनी हाई-एनर्जी कॉमेडी और देसी समझदारी से दिखाते हैं कि चाहे ज़िंदगी हो या गेम, स्मार्ट सोच और हिम्मत वाले कदम ही असली ताकत हैं।

#चलोजीतकीचाल हमारे लिए भारत के सबसे बेहतर गेमर्स को मंच पर लाने का एक तरीका है वे लोग जो स्मार्ट खेलते हैं, लगातार मेहनत करते हैं और जानते हैं कि, रणनीति और कौशल किस्मत पर हमेशा भारी पड़ते हैं। हम चाहते थे कि यह कैंपेन उतना ही मजेदार और तेज़ हो जितना हमारा प्लेटफॉर्म है। गेमिंग को एक मुस्कान के साथ मुख्यधारा की बातचीत का हिस्सा बनाए,' हाइक के सीएफओ मनीष कुमार ने कहा।

आकांक्षी कहानी और लोकल अंदाज़ को मिलाकर, यह कैंपेन युवा, महत्वाकांक्षी भारत के लिए खास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों में ज़ोरदार प्रभाव डालता है, जहाँ वैल्यू, स्टेटस और मनोरंजन एक ही सुपर ऐप में मिलते हैं। "भारत की रियल-मनी गेमिंग इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है और अब यह कौशल, संस्कृति और सभी के लिए उपलब्धता पर आधारित हो रही है," हाइक के CFO मनीष कुमार ने कहा। "कृष्णा इस अभियान के लिए सबसे सही चॉइस थे। वे भारत की आत्मा को दर्शाते हैं — होशियार, हर किसी से जुड़ सकने वाले और मेहनती। उनकी ऊर्जा हमारी सोच को दिखाती है: एक ऐसा गेमिंग अनुभव जो कौशल को पहले रखे, सबके लिए हो और मज़ेदार भी हो। यही भारत में गेमिंग का भविष्य है।"

हाइप बढ़ाने के लिए, रश इस कैंपेन को अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है: टेलीविजन, रेडियो और डिजिटल पर 360 मीडिया रोलआउट जिससे ओम्नीचैनल विजिबिलिटी बन सके। मेटा और गूगल प्लेटफॉर्म्स पर हाई-इम्पैक्ट परफॉर्मेंस मार्केटिंग, जिसमें मनिषा रानी, सनी सिंह और नितीश राणा के साथ सेलिब्रिटी इंटीग्रेशन द्वारा क्वालिटी यूजर अक्विजिशन का लक्ष्य है। स्थानीय भाषा और संस्कृति पर आधारित अभियान के जरिए बाजार में गहरी पकड़ बनाना, जो रश की कहानी को लोकल और प्रामाणिक बनाते हैं। इन-ऐप और सोशल मीडिया कंटेस्ट, जो कम्युनिटी की भागीदारी और मुकाबले की भावना को प्रोत्साहित करें।

इस कैंपेन का मुख्य आकर्षण है लूडो चैंपियंस लीग, रश लूडो का प्रमुख टूर्नामेंट, जिसमें नकद पुरस्कार, गैजेट्स और वाहन जैसे आकर्षक इनाम हैं, जो प्लेटफॉर्म के कौशल-आधारित खेल और असली लाभ के वादे को मजबूत करता है।

भारत के ऑनलाइन गेमिंग मार्केट के विकास के साथ, रश इस सोच को आगे बढ़ा रहा है कि गेमिंग में सफलता किस्मत से नहीं, मेहनत और कौशल से मिलनी चाहिए। यह अभियान बताता है कि रश लूडो पूरी तरह से कौशल आधारित है, जिसमें खेल की रणनीति और समझदारी से जीत मिलती है। इस सोच को मजबूत करते हुए, प्लेटफॉर्म गेम के नियमों और पारदर्शी मैचमेकिंग सिस्टम के बारे में उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करने में निवेश करता रहता है, ताकि हर जीत खिलाड़ी की असली क्षमता को दर्शाए।

शॉट न्यूज

दो पक्षों में विवाद, रॉड-डंडे से एक-दूसरे पर हमला

इंदौर। बाणगंगा इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद में रॉड और डंडे चले दोनों पक्षों ने के दूसरे पर हमला किया। इस दौरान दोनों पक्षों की महिलाएं भी घायल हो गई। पुलिस ने दोनों पक्ष पर केस दर्ज किया हैं। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना कचरा प्लांट के पास झुग्गी झोपड़ी नरवल काकड़ की हैं। जहां रहने वाले एक पक्ष की तरफ से फरियादी शोभाराम पिता दयाराम की शिकायत पर बलराम, राज, आनंद, राजेन्द्र, तरुण, समर, मनीष व सलोनी के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मै अपने घर पर था कि मेरे घर मे बलराम, राज, आनंद और सलोनी रॉड-डण्डे लेकर जबरन मेरे घर में गालियां देते घुस आये और मेरे साथ मारपीट की। मैंने इन लोगों को गालियां देने से मना किया तो तभी राजेन्द्र, तरूण, समर, मनीष भी आ गये इन लोगो ने मुझे राड से मारा मेरे दोनों हाथ पैर में चोट आई। मेरी पत्नी सोना बीच बचाव करने आयी तो उसे भी सलोनी ने मारा इन सभी ने मुझे घर से बाहर खींच कर राड डण्डो से हमला किया।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

इंदौर। शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले मुरैना के युवक पर महिला थाना पुलिस ने केस दर्ज किया हैं। पुलिस के मुताबिक 26 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर सोमू सिंह सिकरवार निवासी गायत्री कॉलोनी गोपालपुरा मुरैना के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी सोमू सिंह सिकरवार के द्वारा शादी का झांसा देकर पीड़िता से जबरजस्ती शारीरिक संबंध स्थापित किए।बाद में शादी के वादे से पलट गया और पीड़िता को जान से मारने की धमकी देने लगा।

अस्पताल परिसर ने चले लात घूंसे

इंदौर। एमआईजी इलाके में अस्पताल में विवाद के दौरान जमकर मारपीट हुई। पुलिस के मुताबिक घटना डीएनएस अस्पताल परिसर की हैं।एक पक्ष की तरफ से करण बघेले निवासी पाटनीपुरा की शिकायत पर दीपक चखाले व तीन अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं।फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी दीपक चखाले व उसका दोस्त मेरे चाचा महेश बरेले के साथ हाथापाई करने लग गये। तभी दीपक चखाले ने फोन कर उसके दो दोस्तो को ओर बुला लिया। उन्होने आते ही मुझे व मेरे चाचा महेश बरेले को गालीया देकर हाथ मुक्को से मारने लगे। तभी वहा पर मेरे परिजन भी आ गये और बीच बचाव करने लगे। तभी अचानक उनमे से किसी ने चाकू से मेरे चाचा को बाये हाथ पर मारा जिससे बाये हाथ की अंगुली व हथेली पर चोट आकर खून निकलने लगा एंव आयुष को मारकर चोंट पहूंचाई एंव जान से मारने की धमकी दी। उधर दूसरे पक्ष की ओर से दीपक चखाले निवासी विदुर नगर की शिकायत पर करण बघेले, आयुष, हरीश, बहादुर और महेश के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

भोपाल स्टेशन पर 'ऑपरेशन यात्री सुरक्षा' का असर संदिग्धों पर कसा शिकंजा

संवाददाता ● भोपाल

मामला

यात्रियों का सामान चुराने की नीयत से प्लेटफॉर्म पर घूम रहे दो युवक पकड़े गए, एक से मोबाइल बरामद, दोनों पर रेल अधिनियम व बीएनएसएस के तहत हुई कार्रवाई। भोपाल मंडल द्वारा रेल यात्रियों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति की रक्षा हेतु "ऑपरेशन यात्री सुरक्षा" अभियान के अंतर्गत रेलवे स्टेशन परिसर में सतत निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में भोपाल रेलवे स्टेशन पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को यात्री सामान चोरी की नीयत से घूमते पाए जाने पर पकड़ा गया तथा नियमानुसार कार्रवाई की गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि आरपीएफ की टीम द्वारा प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर एक युवक रामू जोशी (उम्र 18 वर्ष, निवासी, झांसी, उत्तर प्रदेश) को संदिग्ध गतिविधियों के तहत पकड़ा गया। उसके पास यात्रा संबंधी कोई वैध टिकट अथवा अधिकृत दस्तावेज नहीं पाए गए। चूंकि वह बिना किसी वैध कारण के रेलवे परिसर में यात्रियों के बीच संदेहास्पद स्थिति में घूम रहा था, अतः उस पर रेल अधिनियम की धारा 145 व 147 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। दूसरे मामले में आरपीएफ पोस्ट भोपाल से आरक्षक कृष्ण कुमार, सुनील और हरिओम की टीम द्वारा एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति संतोष दुबे (उम्र 21 वर्ष, निवासी अयोध्या बायपास, भोपाल) को पकड़ा गया, जो यात्रियों के बीच संदिग्ध रूप से घूम रहा था। तलाशी लेने पर उसके पास से एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी वैधता स्पष्ट नहीं हो सकी। उक्त व्यक्ति को आगे की कार्यवाही हेतु जीआरपी भोपाल के सुपुर्द किया गया। जीआरपी द्वारा आवश्यक पूछताछ के उपरांत जब कोई फरियादी नहीं मिला तो संदिग्ध व्यक्ति के विरुद्ध जीआरपी थाना भोपाल में धारा 170, 126, व 135(3) बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज किया गया। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे अपने सामान की सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी रेल सुरक्षा बल या जीआरपी स्टाफ को दें। यात्रियों की सतर्कता और सहयोग से ही रेलवे परिसर को सुरक्षित और निर्बाध बनाया जा सकता है।

दशहरा मैदान में 20 को होने वाले योग महाकुंभ में कई संस्थाएं करेंगी भागीदारी

संवाददाता ● इंदौर

अग्रसेन योद्धा के सभी नौ विधानसभा प्रभारी और 85 वार्ड प्रभारी अपने क्षेत्रों में 11 से 18 जून तक 350 से अधिक कालोनियों में अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के लिए अभियान चलाएंगे। संस्था छवि एवं अन्य संगठनों द्वारा 20 जून को दशहरा मैदान पर सुबह 6 से 8 बजे तक होने वाले योग महाकुंभ में 10 हजार से अधिक साधकों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। अग्रसेन योद्धा टीम के प्रमुख संजय बांकड़ा ने बताया कि इस वृहद आयोजन के प्रति शहर के नागरिकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अग्रसेन योद्धा टीम के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी संजय अग्रवाल (गोल्ड क्वाइन ट्रस्ट), अजय मित्तल (नंदानगर), राजेन्द्र गोयल (समाधान), पिंकेश मोदी, के.के. अग्रवाल (विजय नगर), नितिन अग्रवाल (एयरपोर्ट), रितेश राजवंशीय, विकास जिंदल के साथ संस्था छवि के प्रमुख गोपाल गोयल (भाजपा) के नेतृत्व में आज मीरापथ स्थित कार्यालय पर सभी प्रभारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें तय किया गया कि शहर की सभी नौ विधानसभा सीटों एवं 85 वार्डों के प्रभारी एवं शहर की 350 से अधिक कालोनियों में बनाए गए प्रभारियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने और उन्हें नियमित रूप से योग के लिए प्रेरित करने के लिए एक समयबद्ध अभियान 11 जून से चलाया जाएगा।

नई पीढ़ी की टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4 वी ने शुरू किया परफोर्मेन्स का नया दौर

टीवीएस अपाचे के दो दशकों का जश्न

संवाददाता ● बैंगलुरु

जश्न

दोपहिया और तिपहिया सेगमेन्ट में ग्लोबल लीडर टीवीएस मोटर कंपनी ने 20 सालों की रेसिंग की धरोहर, इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता एवं दुनिया भर में 6 मिलियन से अधिक राइडरों के भरोसे का जश्न मनाते हुए नई 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी का अनावरण किया। रेस के मैदान से उत्पन्न और सड़क के लिए निर्मित टीवीएस अपाचे मोटरसाइकलें रेसिंग में शानदार परफोर्मेन्स देती हैं। इन्हें खासतौर पर उन राइडरों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपनी मोटरसाइकल से पावर, कंट्रोल और रिफाइनमेन्ट की उम्मीद रखते हैं। अपाचे सीरीज़ बेजोड़ विश्वसनीयता और रोमांच के साथ सेगमेन्ट में अग्रणी परफोर्मेन्स देना जारी रखे हुए है।

ओबीडी2बी कम्प्लायन्ट टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी कई महत्वपूर्ण अपग्रेड्स के साथ आती है जो राइडिंग के अनुभव को बेहतरीन बना देते हैं। इसमें शानदार कंट्रोल और शार्प कॉर्नरिंग क्षमता के लिए 37एमएम अपसाईड डाउन (यूएसडी) फ्रंट सस्पेंशन है। इसके अलावा एक हाइड्रोफोर्म्ड हैण्डलबार राइडिंग की सभी परिस्थितियों में बेहतर हैण्डलिंग और स्थिरता को सुनिश्चित करता है। रेसिंग के डीएनए को आगे बढ़ाते हुए टीवीएस अपाचे, आधुनिक टेक्नोलॉजी, रेस से प्रेरित डिज़ाइन एवं सटीक इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट संयोजन पेश करती है।

रेस से प्रेरित इनोवेशन- उच्च परफोर्मेन्स की राइडिंग की धरोहर को जारी रखते हुए टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी 9,000 rpm पर 20.8 PS की पीक पावर और 7,250 rpm पर 17.25 Nm का टोर्क देती है। मोटरसाइकल ड्यूल चैनल एबीएस के साथ ब्रेकिंग को ज्यादा सुरक्षित बनाती है। इसके अलावा तीन राइडिंग मोड्स (अरबन, स्पोर्ट एवं रेन) एक स्लिपर क्लच, एडजस्टेबल क्लच, ब्रेक लीवर, टीवीएस SmartXonnect ब्लुटुथ एवं वॉइस असिस्ट और एलईडी हैडलैम्प एवं डीआरएल से युक्त फुली डिजिटल क्लस्टर इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। 2016 में लॉन्च की गई टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी अपाचे सीरीज़ में बड़ी उपलब्धि थी, जो बोल्ड, स्लीक डिज़ाइन के साथ अपने सभी पूर्ववर्तियों की तुलना में शानदार स्टाइल लेकर आई। समय के साथ इसमें सेगमेन्ट में पहली बार कई फीचर्स लाए गए।

टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4 वी के नए फीचर्स

- ओबीडी2बी कम्प्लायन्स
- 37एमएम अपसाईड डाउन फ्रंट सस्पेंशन
- हाइड्रोफोर्म्ड हैण्डलबार बेहतर हैण्डलिंग के लिए
- बेहतर लुक, शानदार रैड एलॉय व्हील्स के साथ
- प्रीमियम उत्कृष्ट डिज़ाइन
- लुक की बात करें तो मोटरसाइकल रैड एलॉय व्हील एवं नए ग्राफिक्स के साथ शानदार नए लुक में आती है। यह तीन कलर्स-ग्लॉसी ब्लैक, मैट ब्लैक एवं ग्रेनाईट ग्रे में उपलब्ध होगी।

द वेल्थ कंपनी ने भारत की रियल एस्टेट क्षमता को भुनाने के लिए लॉन्च किया 2000 करोड़ का भारत भूमि फंड

संवाददाता ● मुंबई

पैंटोमैथ ग्रुप की अंग, द वेल्थ कंपनी एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी पांचवीं भारत वैल्यू फंड सीरीज़ के तहत भारत भूमि फंड लॉन्च किया है, जो - 1000 करोड़ का कैटेगरी-2 एआईएफ है और इसमें 1000 करोड़ का ग्रीन शू ऑप्शन है। यह फंड भारत के वृद्धि दर्ज करते रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी-शैली की कठोरता लाता है, जिसमें उच्च अवसर वाले कॉरिडोर और मुख्य शहरों में निष्पादन के लिए तैयार परियोजनाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण है।

भारत भूमि फंड, द वेल्थ कंपनी के निवेश क्षितिज का विस्तार है और यह उसी मूल्य-संचालित दर्शन पर आधारित है जो इसके बाकी दृष्टिकोण को परिभाषित करता है। भारत वैल्यू फंड सीरीज़ की मज़बूत नींव और विश्वसनीयता को आगे बढ़ाते हुए - सॉवरेन फंड ऑफ फंड्स और प्रमुख फैमिली ऑफिस जैसे गुणवत्ता वाले निवेशकों द्वारा विश्वसनीय और समर्थित यह फंड रियल एसेट में निवेश को व्यापक बनाने का स्वाभाविक तरीका प्रदान करता है। दृश्यता (विजिबिलिटी) और संपार्श्विक (कोलैटरल) समर्थन प्रदान करते हुए, रियल एस्टेट इक्विटी और निजी बाज़ार निवेश के साथ-साथ लचीला आधार बनाता है – बाज़ार चक्रों में स्थायी मूल्य प्रदर्शित करता है। द वेल्थ कंपनी के लिए, रियल एस्टेट कोई नई दिशा नहीं है, यह पोर्टफोलियो में विविधता लाने की आवश्यकता के साथ जुड़ी एक स्वाभाविक प्रगति है।

यह परिसंपत्ति वर्ग मूर्त मूल्य, जोखिम-प्रबंधित रिटर्न और अनुशासित पूंजी निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह फंड डेवलपर की मानसिकता और निवेशकों की अपेक्षाओं के बीच की खाई को पाटने के लिए तैयार किया गया है, जो विशेषज्ञ ऑपरेटरों और निष्पादन नियंत्रण द्वारा समर्थित भौतिक परिसंपत्ति वर्ग पर हॉलमार्क अंडरराइटिंग और शासन ढांचे को लागू करता है। यह फंड विविधीकृत पूंजी आवंटन रणनीति का पालन करते हुए डेटा सेंटर, वेयरहाउसिंग, आतिथ्य और नवीकरणीय पार्कों में निवेश करेगा, जो भारत के उभरते बुनियादी ढांचे, डिजिटल परिवर्तन और वहनीयता से जुड़ी प्राथमिकताओं वाले क्षेत्र हैं। देश के डिजिटल और हरित ऊर्जा संक्रमणों से प्रेरित इन नई आर्थिक परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मांग बढ़ रही है। ये खंड पारंपरिक रियल एस्टेट से परे हैं - वे आर्थिक बुनियादी ढांचे का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो फंड के रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। इसके साथ ही, निवेश मुंबई (एमएमआर), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे उच्च-विकास वाले शहरों में मध्यम से प्रीमियम आवासीय, खुदरा, प्लॉटेड विला और मिश्रित उपयोग वाले विकास को लक्षित करेगा। फंड आगामी कनेक्टिविटी (संपर्क) और शहरी विस्तार से लाभान्वित होने वाले बुनियादी ढांचा-आधारित गलियारों और प्लॉटेड विकास पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

60 से अधिक छात्रों सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के समर स्किल्स कार्निवाल का हुआ समापन

संवाददाता ● भोपाल

युवाओं में रचनात्मकता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की पहल के तहत स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किए जा रहे "समर स्किल्स कार्निवाल" शनिवार को भव्य समापन हुआ। इस दौरान 60 से अधिक छात्रों सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर अतिथि स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. विजय सिंह बतौर अतिथ उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा और डीन ह्यूमेनिटीज विभाग एवं समर स्किल्स कार्निवाल की संयोजिक डॉ. टीना तिवारी भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों ने कथक एवं अन्य डांस परफॉर्म किए। इसके अलावा एग्जीबिशन का आयोजन किया गया जिसमें मधुबनी, मांडना से लेकर क्ले आर्ट आईटम्स को प्रदर्शित किया गया था।

समापन

कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ. विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में छात्रों को एक माह का प्रशिक्षण पूरा करने पर बधाई दी और कहा कि हमारा प्रयास स्किल बेस्ड कार्यक्रमों को संचालित करना और युवाओं को विभिन्न कौशल प्रदान कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है। आगे उन्होंने कहा कि स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर को इस प्रकार तैयार किया जा रहा है जिससे छात्रों का संपूर्ण विकास हो सके। गौरतलब है कि समर स्किल्स कार्निवाल का आयोजन 1 मई से आयोजित किया जा रहा था। इस कार्निवाल में विभिन्न स्किल्स में प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा प्रतिभागिता करते हुए अपने रचनात्मक कौशल को विभिन्न विधाओं में तराशा।

समर स्किल्स कार्निवाल का संयोजन कर रही डॉ. टीना तिवारी ने बताया कि फाइन आर्ट्स में क्ले मॉडलिंग, पेंटिंग एवं प्रिंट मेकिंग, आर्ट एवं क्राफ्ट; डिजाइनिंग में डिजाइन योर स्पेस, कटिंग एवं स्टिचिंग; स्पोर्ट्स में फुटबॉल, क्रिकेट, कराते; ब्यूटी एवं वेलनेस के अंतर्गत प्रोफेशनल साड़ी ड्रेपिंग, मेहंदी, सेल्फ ग्रूमिंग; परफॉर्मिंग आर्ट्स में एक्टिंग स्किल्स, कथक, तबला, ढोलक, हारमोनियम, सिंथेसाइजर, सिंगिंग एवं डांस; और स्पॉटलाइट के अंतर्गत स्टेज एंकरिंग एवं क्रिएटिव राइटिंग का प्रशिक्षण रचनात्मक अंदाज में प्रदान किए गए। इस दौरान ट्रेनर्स ने प्रतिभागियों को अलग-अलग गतिविधिया सिखाई। मंच संचालन की कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिभागियों ने संचालन के गुण सीखे जिसमें मौखिक भाषा के साथ-साथ देह भाषा और प्रस्तुतीकरण पर भी ज़ोर दिया गया।

मंच पर संचालन और मंच परे संचालन के अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रतिभागियों को बारीकियाँ सिखाई गई। फ़ाइन आर्ट्स की कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिभागियों ने चित्रकला के साथ-साथ क्ले मॉडलिंग और क्राफ्ट वर्क सिखा। नृत्य कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कथक नृत्य का आरंभिक ज्ञान हासिल किया जिसमें उन्होंने तत्कार, लयकारी और ताल सीखा। फ़ैशन डिज़ाइन की कार्यशाला में प्रतिभागियों ने आज के समय के हिसाब से फ़ैशन को समझा और परिधान तैयार करना सीखा। वहीं इंटीरियर डिज़ाइन के प्रतिभागियों ने आधुनिक समय के अनुसार अपने घर या कमरे को कैसे सुंदर रूप दें, यह सीखा। इन सभी गतिविधियों में प्रतिभागियों ने अभ्यास के माध्यम से नए गुण सीखे जिसे अंततः उन्होंने समापन सत्र में प्रस्तुत किया।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 11 जून, 2025
www.adityabharat.com

हाई कोर्ट में आधा घंटे तक चली जोरदार बहस, शीघ्र सुनवाई की भी उठ रही थी मांग

याचिका लगाने वाले छात्रों का परिणाम 14 को आना संभव

संवाददाता ● इंदौर

नीट यूजी दोबारा नहीं होगी, यह अब स्पष्ट हो गया। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) 14 जून को नीट यूजी का परिणाम घोषित कर देगी। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सोमवार को हुई सुनवाई में एनटीए को याचिका दायर करने वाले 75 छात्रों के परिणाम छोड़कर शेष का परिणाम घोषित करने की अनुमति दे दी। याचिका दायर करने वाले 75 छात्रों के मामले में 16 जून को अंतिम बहस होगी।

फरमान

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि मामले का अंतिम निराकरण होने तक एमबीबीएस की 75 सीटें आरक्षित रखी जाएं, लेकिन कोर्ट ने इसे अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि 14 जून को परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद काउंसलिंग शुरू नहीं होगी, इसलिए सीटें आरक्षित रखने का कोई मतलब नहीं। वैसे भी कोर्ट 16 जून को अंतिम सुनवाई कर ही रही है। चार मई को पूरे देश में एक साथ आयोजित हुई नीट यूजी के लिए इंदौर में 49 सेंटर बनाए गए थे। परीक्षा के दिन इंदौर में मौसम बदला और जोरदार बारिश के चलते पूरे शहर में बिजली गुल हो गई।

सुनवाई के दौरान ही कोर्ट को बताया गया कि कुछ ऐसे छात्रों ने भी याचिका दायर कर दी है जिनका अव्यवस्था से कुछ लेना देना नहीं है। इन याचिकाकर्ताओं के परीक्षा केंद्र पूरी तरह से अप्रभावित थे, लेकिन सिर्फ परीक्षा दोबारा आयोजित करने की मांग लेकर वे कोर्ट में आ गए हैं। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने एनटीए से कहा कि वह याचिका दायर करने वाले 75 छात्रों को छोड़कर शेष का परिणाम घोषित करने के लिए स्वतंत्र है। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट भटनागर ने मांग की कि मामले में शीघ्रता से सुनवाई की जाए। वर्तमान में याचिकाओं की सुनवाई एकल पीठ के समक्ष चल रही है। अगर हमें यहां राहत नहीं मिली तो हमें अपील दायर करना पड़ सकती है। इसमें समय लगेगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम मामले में 16 जून को अंतिम सुनवाई कर लेंगे।

आधा घंटा चली बहस, कोर्ट ने दी परिणाम घोषित करने की अनुमति

सोमवार को न्यायमूर्ति पवन कुमार द्विवेदी के समक्ष याचिकाओं की सुनवाई हुई। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि घोषित परीक्षा कार्यक्रम के हिसाब से एनटीए को 14 जून को नीट यूजी का परिणाम जारी करना है, लेकिन कोर्ट ने इंदौर के प्रभावित सेंटरों के 8790 परीक्षार्थियों के परिणाम घोषित करने पर रोक लगा रखी है। इस वजह से पूरा परीक्षा परिणाम अटक रहा है। हम कोर्ट से प्रार्थना करते हैं कि वह याचिका दायर करने वाले 75 छात्रों को छोड़कर शेष सभी परीक्षार्थियों का परिणाम घोषित करने की अनुमति दे दे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट नीतिन भाटी, मृदल भटनागर ने इसका विरोध किया और मांग की कि एनटीए को परिणाम घोषित करने की अनुमति दी जाती है तो याचिकाकर्ताओं के हित में 75 सीटें आरक्षित रखी जाएं। मामले में करीब आधा घंटा बहस चली।

शॉर्ट न्यूज

पत्नी के प्रेमी ने सिर कुचलकर मार डाला

इंदौर। विजय नगर इलाके में एक व्यक्ति की पत्नी के प्रेमी ने पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी । पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया हैं, जिससे पूछताछ की जा रही हैं। बताते है कि मृतक का नाम गगन पिता अशोक केवट मूल निवासी लाहिया कालोनी इंदौर हैं। वह अपनी पत्नी रानी के साथ अपोलो हास्पिटल के सामने खाली प्लाट में झोपड़ी बनाकर रहता था। यहां दो से तीन दिन पूर्व रानी का पूर्व प्रेमी देवेंद्र उर्फ छोटू निवासी अशोक नगर आया। रात में देवेंद्र और गगन ने शराब पी इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ तो देवेंद्र उर्फ छोटू ने पास में पड़े पत्थर से उस पर हमला कर दिया सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

कौन बनेगा कॉमेडी क्वीन' कार्यक्रम 12 को

इंदौर। महिला प्रकोष्ठ, अग्रवाल समाज द्वारा 12 जून को अपनी सखियों के लिए 'कौन बनेगा कॉमेडी क्वीन' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हास्य कलाकार स्टैंडअप कामेडियन जगृत थिरवानी के मुख्य आतिथ्य में हास्य और मनोरंजन से भरपूर महफिल सजाई जाएगी। प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल एवं कार्यक्रम संयोजक निकिता बंसल ने बताया कि अब तक प्रकोष्ठ की 80 सखियों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीयन करा लिया है। ये सभी सखियां हमारे रोजमर्रा जीवन से जुड़े विषयों, जैसे घर, ऑफिस, दोस्त, सड़क, मंदिर, शॉपिंग तथा स्कूल-कालेज से संबंधित टॉपिक पर पांच-पांच मिनट में अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

मोबाइल चुराने के बाद बैंक खाते से उड़ाए रुपये

इंदौर। सब्जी खरीद रहे बुजुर्ग का मोबाइल चोरी हो गया। चोर ने मोबाइल के जरिए बुजुर्ग के खाते से 45000 रुपए ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। फरियादी गेंदालाल पिता लालमणि 58 साल निवासी स्कीम नंबर 71 ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 19 अप्रैल की शाम 5 बजे फूटी कोठी सब्जी मंडी गया था इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल फोन चुरा लिया। फरियादी गेंदालाल के मुताबिक आरोपी ने उसके बैंक अकाउंट से 45 हजार रुपए ऑनलाइन निकाल लिए। पुलिस द्वारकापुरी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी वैभव पिता राजेंद्र सोनी निवासी सिल्वर ऑक्स कॉलोनी अन्नपूर्णा की रिपोर्ट पर मनीष पिता चंद्रकांत शर्मा निवासी सुदामा नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। वैभव ने पुलिस को बताया कि मनीष उसका दोस्त है और परिवार को छोड़ने के लिए कार ले गया था। 2 दिन बाद कार मांगी तो उसने देने से इनकार कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

13 जून से सेवा समाप्ति का नोटिस, कम वेतन में काम करने का दबाव, कर्मचारियों में भारी आक्रोश

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के 300 से अधिक कर्मचारियों पर बेरोजगारी का संकट

संवाददाता ● इंदौर

आक्रोश

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के 300 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों पर अचानक बेरोजगारी का संकट छा गया है। एचएलएल कंपनी द्वारा 13 जून से सेवा समाप्ति का नोटिस थमा दिया गया है। इनमें सुपरवाइजर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, वॉटरमैन जैसे तकनीकी स्टाफ शामिल हैं। वर्षों से सेवाएं दे रहे इन कर्मचारियों का कहना है कि अब उन्हें केवल 8 हजार रुपए महीने की सैलरी पर काम करने को मजबूर किया जा रहा है, जो पहले से भी कम है। इससे उनका घर चलाना और बच्चों की पढ़ाई कराना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि यदि कोई विरोध करता है तो उनका ट्रांसफर कर दिया जाता है। भोपाल से कुशल और अर्धकुशल कर्मचारियों को हटाने के आदेश आए हैं। एचएलएल कंपनी के मैनेजर अतुल मराठा ने कहा कि सभी को नहीं हटाया जा रहा, लेकिन कुछ कर्मचारियों को नोटिस दिए गए हैं। एजाइल कंपनी के मैनेजर प्रदीप रघुवंशी ने कहा कि उन्हें भोपाल से आदेश मिले हैं, अधिक जानकारी बाद में देंगे। सरकार के रोजगार दावों के बीच इस संकट ने कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

500 किलो सुतली बम सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता ● इंदौर

देपालपुर इलाके के एक खेत में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी। जहां से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस को ग्राम जलोदियापार में संजय शर्मा द्वारा अवैध पटाखा निर्माण की सूचना मिली, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गांव के बाहर खेत में बने गोडाउन पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों संजय शर्मा और हिमांशु शर्मा को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गोडाउन से पांच सौ किलो सुतली बम समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। जब्त सामान में सुतली के बंडल, पटाखा भरने की डिब्बियां, बारूद से भरी बोरियां, तराजू, तगारी, ट्रे, केमिकल के ड्रम, चलनी और रंग के पैकेट समेत कुल 27 बोरियां शामिल थीं। बताया जा रहा है कि आरोपी लंबे समय से गांव के बाहर खेत में बनी इस गुप्त फैक्ट्री में पटाखों का निर्माण कर रहे थे और त्योहारों से पहले इनका अवैध रूप से बाजार में वितरण किया जाना था। पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह विस्फोटक सामग्री कहां-कहां भेजी जानी थी और इसके पीछे कौन-कौन शामिल है। इस अवैध कारोबार की सप्लाई चेन को उजागर करने के लिए आगे की पूछताछ जारी है। गौरतलब है कि खेत में चल रही ऐसी खतरनाक गतिविधियां ग्रामीणों की जान के लिए बड़ा खतरा बन सकती थीं। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े हादसे को टाल दिया है।

गांव के बाहर बने गोडाउन पर पुलिस का छापा...

देखभाल नहीं होने से चलते हैं सिर्फ मॉक ड्रिल के समय

कोरोना की लहर में बनाए ऑक्सीजन प्लांट बने शो-पीस

संवाददाता ● इंदौर

पड़ताल

कोरोना काल में जनसहयोग से करोड़ों की लागत से बनाए गए ऑक्सीजन प्लांट अब शासकीय अस्पतालों में बेकार साबित हो रहे हैं। इन्हें इमरजेंसी के लिए तैयार किया गया था। हालांकि वर्तमान में इनका उपयोग केवल मॉकड्रिल के दौरान ही हो रहा है। 2023 के दिसंबर में आखिरी बार मॉकड्रिल हुई थी, तब इन प्लांटों की हकीकत सामने आई। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की तीसरी मंजिल से ऊपर ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाई, वहीं एमटीएच और पीसी सेठी अस्पतालों में भी प्लांट को चालू करने में घंटों लग गए।

जानकारी अनुसार जिले में शासकीय और निजी अस्पतालों में कुल 48 ऑक्सीजन प्लांट हैं,लेकिन इनका रखरखाव ठीक से नहीं हो पा रहा। कई निजी अस्पतालों में प्लांट आज तक शुरू नहीं हो सके। अस्पतालों के पास पर्याप्त सिलेंडर स्टॉक होने से भी प्लांट की अनदेखी हो रही है। अधिकारियों का दावा है कि सभी प्लांट चालू हालत में हैं, लेकिन मॉकड्रिल के अनुभव इससे उलट हैं। इस बीच शहर में कोरोना के नए मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। केरल से आए युवक के पॉजिटिव पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसके संपर्क में आए 22 लोगों की जांच की,जिनमें परिवार और दोस्त शामिल हैं। फिलहाल शहर में दो एक्टिव मरीज हैं जिन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है। मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह सभी प्लांट चालू हालत में है और जरूरत पड़ने पर इसे कार्य लिया जा सकता है।

वर्तमान में भी बढ़ रहे कोरोना के मरीज

जहां तक वर्तमान स्थिति का प्रश्न है लगातार कोरोना के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे में कहीं एक बार फिर ऑक्सीजन की जरुरत ना पड़ जाए इसलिए इन ऑक्सीजन प्लांट को दुरुस्त किया जाना बहुत जरुरी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और डॉक्टरों का कहना है कि नया वेरिएंट ज्यादा दिन का मेहमान नहीं है स्थिति पूर्ण तरह कंट्रोल में है।

सीएसडब्ल्यूटी परिसर में लगाए शिविर में 48 युनिट रक्त किया एकत्रित, जवानों ने दिखाया उत्साह

बीएसएफ महानिरीक्षक ने किया शुभारंभ

संवाददाता ● इंदौर

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की श्रृंखला में बीएसएफ के जवानों द्वारा रक्त दान किया गया। सीमा सुरक्षा बल इंदौर के महानिरीक्षक आलोक कुमार सिंह के नेतृव में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत बीएसएफ के अधिकारियों और जवानों द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ के चिकित्सालय में महाराजा यशवंत राव (एमवाय) हॉस्पिटल, इंदौर, बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउण्डेशन इंदौर तथा मानवता की पहचान संस्था-इंदौर के सहयोग से किया गया। शिविर का उद्देश्य आम जनता को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस नेक कार्य में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। शिविर का उदघाटन तीर्थ आचार्य, कमाण्डेंट द्वारा रिबन काट कर किया गया। रक्तदाताओं ने रक्तदान करके खुशी जताई तथा वे भविष्य में भी इसी तरह से रक्तदान करते रहने का संकल्प लिया, ताकि रक्त की कमी से देश में किसी मरीज की जान न जाय। सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ इंदौर में चलाये जा रहे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रमों की श्रृंखला में रक्तदान शिविर का आयोजन सफल रहा, जिसमें कुल 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, इंदौर के डॉ. मेघराज सिंह विजयी

'सेंट्रल इंडिया हेमेटोलॉजी समिट 2025' में आयोजित पोस्टर प्रतिस्पर्धा

संवाददाता ● इंदौर

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर (नक्षत्र) इंदौर में 7 व 8 जून को सेंट्रल इंडिया हेमेटोलॉजी समिट 2025 का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत रक्त की बीमारियां व कैंसर पर आधारित पोस्टर प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें शहर, प्रदेश व बाहर के कई चिकित्सकों (सामान्य चिकित्सा, शिशु रोग चिकित्सा तथा पैथोलॉजी) ने भाग लिया। इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. मेघराज सिंह ने आईसीयू संक्रमण की नवीन तथा त्वरित जांच एम.डी.डब्ल्यू (जिसका मान कैंसर तथा प्रतिरोधक क्षमता की कमी में प्रभावित नहीं होता) पर पोस्ट प्रेजेंट कर यह प्रतियोगिता जीत ली, जिस पर उन्हें आयोजक डॉ. विनय बोहरा व उनके गाइड्स डॉ. सुधीर मौर्य, डॉ. संजीव नारंग तथा डॉ. बुशरा खानम ने काफी सराहा। प्रतिस्पर्धा जीतने पर उन्हें मंच पर सर्टिफिकेट तथा कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने इसी कॉन्फ्रेंस में सिकल-थैलेसीमिया रोग का दुर्लभ केस भी प्रेजेंट किया। डॉ. मेघराज सिंह (एमडी मेडिसिन) ने बताया कि मरीजों में रक्त की बीमारियां व कैंसर जैसे रोगों की समय रहते जांच से उनका पूर्ण इलाज आज संभव है।

मास्टर प्लान की सड़कों की भी हो समीक्षा : महापौर

बारिश के पहले शहर में करवाएं सड़कों का पेंचवर्क कार्य

शहर में करें डेन सिटी फॉरेस्ट का निर्माण

संवाददाता ● इंदौर

निर्माण

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जनकार्य विभाग और उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक महापौर सभाकक्ष में ली। बैठक में जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेन्द्र राठौर, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डीआर लोधी, नागेन्द्रसिंह भदोरिया, चेतन पाटिल और अन्य उपस्थित थे। महापौर भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान शहर को हरियाली से आच्छादित करने के उददेश्य से शहर के मध्य ऐसे उद्यान जहां पर डेन सिटी फॉरेस्ट का निर्माण किया जा सकता है, ऐसे स्थानो को चिंहित करे, जिसमें सर्वप्रथम झोन क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 71 में स्वास्तिक नगर स्थित उद्यान को डेन सिटी फॉरेस्ट का निर्माण करने के निर्देश दिये गये।

उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान महापौर भार्गव द्वारा शहर के समस्त झोन क्षेत्र में एक-एक युरेशिया गार्डन की तर्ज पर उद्यान का निर्माण करने के संबंध में वर्तमान स्थिति के भी समीक्षा की गई, साथ ही शहर के ग्रीन बेलट, मिडियन, डिवाईडर व रोटरी की हरियाली की सुरक्षा के लिये आवश्यकतानुसार फेंसिंग व दीवार निर्माण के संबंध में भी निर्देश दिये गये। शहर के नेहरू पार्क उद्यान, मेघदूत उद्यान विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान विश्राम बाग उद्यान में चल रहे विकास कार्यो की भी समीक्षा की गई।

इसके साथ ही महापौर भार्गव द्वारा जनकार्य विभाग की भी समीक्षा की गई। महापौर भार्गव ने निर्देशित किया कि वर्षाकाल के पूर्व ही शहर के ऐसे प्रमुख मार्ग जहां पर पेचवर्क कार्य की आवश्यकता है, वहां पर अनिवार्य रूप से गडढे भरते हुए, पेचवर्क का कार्य सुनिश्चित करे, ताकि वर्षाकाल के दौरान नागरिको को आवागमन में सुगम हो। साथ ही शहर के ऐसे चौराहे जहां पर लेफ्ट टर्न में सुधार की आवश्यकता है, ऐसे स्थानो का विभाग द्वारा सर्वे करते हुए, कार्य कराना सुनिश्चित करे। इसके पश्चात महापौर श्री भार्गव द्वारा शहर की मास्टर प्लान की सडको की वर्तमान स्थिति व संजीवनी क्लीनिक के संबंध में भी झोनवार समीक्षा की गई।

जातियों को लेकर पूर्वाग्रह अभी तक कम नहीं हुआ है

हाल ही में हमने डॉ. बीआर आम्बेडकर की 134वीं जयंती मनाई है। इस अवसर पर पूछा गया कि वर्तमान विकसित भारत में डॉ. आम्बेडकर कितने प्रासंगिक हैं। मेरी राय में, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने कि देश की आजादी के शुरूआती वर्षों में थे। और मेरे पास ऐसा कहने के पर्याप्त प्रमाण हैं। मैं इस लेख में इस संबंध में तीन दलीलें पेश करना चाहूंगा। पहली, सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के बावजूद अभी भी दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों का ऊंचे पदों पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। दूसरी, जातिगत पूर्वाग्रह अभी भी बहुत मजबूत बने हुए हैं। तीसरी, शिक्षा के व्यापक प्रसार के बावजूद जातिगत पहचान देश में बहुत मजबूत हुई है। पहले की तुलना में एकमात्र बदलाव यह है कि पहले जातिगत पहचान प्रमुख जातियों द्वारा प्रदर्शित की जाती थी, अब यह वर्चस्वशाली जातियों के साथ ही वंचित वर्गों द्वारा भी प्रदर्शित की जाती है।

सबसे पहली बात, आरक्षण के प्रावधानों के बावजूद शैक्षणिक संस्थानों में दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के उच्च पदों (प्राध्यापक), भारतीय नौकरशाही (आईएएस) में शीर्ष ओहदों, केंद्र सरकार की नौकरियों में अच्छी पोजिशन, उच्च न्यायपालिका और अन्य सरकारी नौकरियों में कम प्रतिनिधित्व के कई सबूत मिलते हैं। विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में भी यही कहानी है। जहां निचले स्तर पर पदों के लिए रिक्तियों और भरे गए पदों के बीच का अंतर कम हो सकता है, लेकिन उच्च पदों के लिए यह बहुत अधिक है। दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के लिए स्वीकृत पदों पर भर्ती न होने के कई कारण बताए जाते हैं, जिनमें से एक अक्सर उद्धृत किया जाने वाला कारण ह्यपद के लिए किसी का भी उपयुक्त नहीं पाया जाना है।

आजादी के कई दशक बीतने के बाद भी समाज में जातिगत पूर्वाग्रह बहुत मजबूत बने हुए हैं। हमारे रोजमर्रा के जीवन में, हमारे आस-पड़ोस में, जहां हम रहते हैं और जहां हम काम करते हैं- वहां वंचित जातियों के खिलाफ मजबूत पूर्वाग्रहों की साझा भावना के साक्ष्य मौजूद हैं। कुछ दशक पहले तक दिल्ली में शायद ही कोई पड़ोसी अपने फ्लैट/घर के पास रहने वाले व्यक्ति/परिवार की जाति के बारे में पूछता था, जो कि अब देश की राजधानी में नहीं होता। दबी जुबान से ही सही, लेकिन जाति के बारे में पूछताछ दिल्ली के मध्यम वर्ग के इलाकों में आम बात हो गई है। इतना ही नहीं, अगर कोई अपना फ्लैट/घर वंचित जातियों के लोगों को किराए पर देने की कोशिश करता है, तो वहां पहले से रह रहा दूसरा पड़ोसी विनम्रता से कह सकता है कि कृपया किसी ह्यअच्छे परिवारह्ल को किराए पर दें। स्पष्ट संदेश यह है कि एक प्रभावशाली जाति से ताल्लुक रखने वाला व्यक्ति किसी वंचित वर्ग के व्यक्ति को फ्लैट भी किराए पर नहीं दे सकता।

कुछ दशक पहले तक दिल्ली में शायद ही कोई पड़ोसी अपने फ्लैट/घर के पास रहने वाले व्यक्ति/परिवार की जाति के बारे में पूछता था, जो कि अब देश की राजधानी में नहीं होता। दबी जुबान से ही सही, लेकिन जाति के बारे में पूछताछ दिल्ली के मध्यम वर्ग के इलाकों में आम बात हो गई है। इतना ही नहीं, अगर कोई अपना फ्लैट/घर वंचित जातियों के लोगों को किराए पर देने की कोशिश करता है,

शहरी भारत में लोग आज ह्यकुमारह्ल जैसे अस्पष्ट उपनाम वाले या बिना उपनाम वाले व्यक्तियों की जाति जानने के लिए पहले से कहीं ज्यादा उत्सुक हो गए हैं। राष्ट्रीय प्रतिनिधि सैम्पल के साथ बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के साक्ष्य भी भारत में निचली जातियों के खिलाफ पूर्वाग्रह की एक मजबूत भावना का संकेत देते हैं। एक तिहाई भारतीयों का मानना है कि दलित और आदिवासी अभी तक मुख्यधारा के अन्य वर्गों के बराबर नहीं आ पाए हैं, क्योंकि वे इसके लिए प्रयास नहीं करते हैं। या कि वे कड़ी मेहनत नहीं करना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो मानते हैं कि इसका कारण मेहनत की कमी नहीं बल्कि अवसरों से वंचित होना है। सर्वेक्षण में दलित और आदिवासी समुदायों से वास्ता रखने वाले कई युवाओं ने दैनिक जीवन में भेदभाव का सामना करना स्वीकार किया। ऐसे लोग भी हैं, जो त्वचा के रंग, आर्थिक वर्ग, क्षेत्र, अंग्रेजी बोलने की अक्षमता आदि के कारण भेदभाव का सामना करते हैं। लेकिन निचली जाति से संबंधित होने के कारण भेदभाव का सामना करना आज भी इनसे अधिक प्रचलित है।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

एआई जिंदगी की कई मुश्किलें हल कर सकता है

कल्पना करें, आप किसी परिचित की तबीयत पूछने अस्पताल गए हैं, जो कि बीती रात से आईसीयू में भर्ती हैं। आप देख पा रहे हैं कि वहां एक बड़ी कांच की दीवार के पार वार्ड में सभी मरीज लेटे हैं और एक नर्स इधर-उधर घूम रही है। आपके मन में सवाल आता है कि एक नर्स इतने मरीजों की देखभाल कैसे कर सकती है? लेकिन आप थोड़ा गलत हैं। वह नर्स सिर्फ मरीजों से आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखने के लिए घूम रही है। असल में, वहां हर मरीज की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए रियल टाइम में हो रही है। हर बेड एक कॉन्टैक्टलेस और निरंतर निगरानी प्रणाली से जुड़ा हुआ है।

सिर्फ वही नहीं, यह वार्ड भी एआई-पावर्ड रिमोट-स्क्रीनिंग सिस्टम से जुड़ा है, जिसे अर्ली वार्निंग सिस्टम (ईडब्ल्यूएस) कहते हैं। यह ईडब्ल्यूएस नर्सों (स्वास्थ्यकर्मी) को मरीजों के महत्वपूर्ण पैरामीटर जैसे हृदय गति, श्वसन दर, रक्तचाप, रढड2 स्तर, तापमान व एउ3ृको दूर से मॉनिटर करने की सुविधा देता है। ये प्रणाली 24 घंटे इन पैरामीटर्स पर नजर रखती है, ट्रेंड ट्रैक करती है और मॉनिटरिंग रूम में स्वास्थ्यकर्मियों को रियल-टाइम अलर्ट जारी करती है, जिससे वे त्वरित हस्तक्षेप कर सकें। ईडब्ल्यूएस के माध्यम से, ये स्वास्थ्यकर्मी अब एआई-सक्षम प्रणाली से लैस हैं, जो प्रत्येक मरीज की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करती है और क्लिनिकल गिरावट का पता लगाती है, जिससे समय पर हस्तक्षेप और आपात स्थितियों की रोकथाम संभव हो पाती है।

एडिट.नोट

इसके अलावा, उनके पास एआई द्वारा दिए गए अलर्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम भी है, क्योंकि मरीजों की स्क्रीनिंग एआई के जरिए रियल-टाइम में की जा रही है।ये दृश्य कोलकाता के चार्नोक अस्पताल का है, जहां के इमरजेंसी हेड निशांत अग्रवाल चाहते हैं कि सभी गैर-आईसीयू बेड भी एआई अलर्ट कवरेज में आ जाएं, ताकि मानवीय त्रुटियां पूरी तरह से रोकी जा सकें। वुडलैंड्स हॉस्पिटल सारा काम ह्यहॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचआईएस)ह्ल पर कर रहा है, नारायणा हॉस्पिटल्स में एआई-संचालित केयर पाथवे प्रोग्राम है और कई अस्पताल एआई का प्रयोग मरीजों के पैरामीटर्स ट्रैक करने, ऑनलाइन ओपीडी बुकिंग व भुगतान सुविधा में करते हैं, जिससे काउंटर पर भीड़ खत्म हो सकती है। मणिपाल हॉस्पिटल नेट-वर्क अस्पतालों में एचआईएस का प्रयोग कर रहा है।

उन्होंने फुजीफिल्म के साथ एआई-सक्षम पिक्चर आर्काइविंग और कम्युनिकेशन सिस्टम को एकीकृत किया है, ताकि डायग्नोस्टिक दक्षता को बढ़ावा दें सकें। वे दावा करते हैं कि उन्होंने जेमिनी एआई प्लेटफॉर्म पर भारत का पहला एआई-संचालित नर्स हैंडओवर प्रोजेक्ट चलाया है व आईसीयू के लिए एआई-सक्षम स्टेप डाउन सिस्टम भी पेश किया है। एआई इस समय का सबसे अच्छा टूल है जो हमें उन मुद्दों से निपटने में मदद कर सकता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं, चाहे वह हॉस्पिटल्स में मरीजों की बढ़ती संख्या को मैनेज करना हो या कुछ स्थानों पर चोरी आदि को रोकना। अब दक्षिण भारत में अवैध खनन की समस्या लें। पेरूर व कोयंबटूर उत्तर तालुका में अवैध लाल मिट्टी खनन को रोकने के लिए जल्द ही 200 से अधिक एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तमिलनाडु व केरल सीमा के बीच सभी चेक पोस्ट पर नजर रखने व अवैध रेत तस्करी रोकने के लिए, तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम ने ग्रामीण पुलिस से राजस्व विभाग व भूविज्ञान और खनन विभाग की मदद से पेरूर- कोयंबटूर के बीच सभी महत्वपूर्ण जंक्शनों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए कहा है। अधिकारी अब इन एआई-सक्षम इकाइयों से निगरानी के लिए ड्रोन सर्वे कर रहे हैं। इस प्रकार सभी प्रमुख जंक्शनों और महत्वपूर्ण रास्तों को एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरों से कवर किया जाएगा, जो कि 24/7 निगरानी करेंगे। फंडा यह है कि हमें किसी भी समस्या को एआई की मदद से हल करने की मानसिकता विकसित करनी होगी, क्योंकि यह हम इंसानों द्वारा विकसित बेस्ट टेक्नोलॉजी टूल में से एक है। एआई की ताकत को कभी कम मत आंकिए।

रुचिर शर्मा - लेखक

हाई टैरिफ दुनिया में उभर रहे हैं नए विजेता और पराजित

ट्रेड-वॉर ने जो अफरातफरी मचाई है, उसकी धूल अभी जमी नहीं है, और ट्रम्प के रहते शायद कभी न जमे। लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के बाद के दौर में अमेरिका के नेतृत्व वाली कम टैरिफ वाली दुनिया में अब वापसी मुमकिन नहीं। प्रभावी अमेरिकी टैरिफ दर 10 प्रतिशत से कहीं अधिक रहने की संभावना है, जो पिछले साल तक प्रचलित 2.5 प्रतिशत की दर से कहीं अधिक है। इसलिए समय आ गया है कि हाई टैरिफ वाली हमारी नई दुनिया की मैपिंग शुरू कर दी जाए। अमेरिका की ट्रेड-आक्रामकता ने पहले ही घरेलू व्यवसायों और वैश्विक निवेशकों के बीच काफी संदेह पैदा कर दिया है। इससे लंबे समय से स्थापित आपूर्ति श्रृंखलाओं और पूंजीगत प्रवाह में बुनियादी बदलावों का दौर शुरू होगा। सबसे बड़ा नुकसान वैश्वीकरण की सबसे बड़ी लाभार्थियों यानी अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को होने की संभावना है। हाल के दशकों में जैसे-जैसे व्यापार और पूंजी की बाधाएं कम होती गई हैं, अमेरिकी कॉर्पोरेट्स ने अपने देश की तुलना में विदेशों में बहुत तेजी से मुनाफा बढ़ाया है।

1960 के दशक से ही एसएंडपी500 कंपनियों के लिए लाभ का मार्जिन स्थिर रहा था। फिर 2000 के बाद यह लगभग दोगुना होकर लगभग 13 प्रतिशत हो गया। चीन ने भी इसी दौर में डब्ल्यूटीओ में प्रवेश किया था। कई अमेरिकी दिग्गजों ने अमेरिकी ब्रांड्स की लोकप्रियता का लाभ उठाकर और सस्ती लागत वाले देशों को उत्पादन आउटसोर्स करके अपने विकसित प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं अधिक लाभ कमाया।आज अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने राजस्व का 40% से अधिक विदेशों में कमा रही हैं। सबसे अधिक लाभ मैन्युफैक्चरर्स को हुआ, जो अपने कर्मचारियों को विदेशों में घरेलू कर्मचारियों की तुलना में औसतन 60% कम भुगतान करते हैं। अब अमेरिकी कारोबारी विदेश में नई फैक्टरियां स्थापित करने से पहले दो बार सोचेंगे और मुनाफे को अधिकतम करने के अपने दोटूक तर्क से प्रेरित नहीं होंगे। विशेष रूप से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने मुनाफे के मार्जिन पर लगातार दबाव का सामना करना पड़ेगा।

टैरिफ-नीति पर गुस्से के चलते ह्यमेड इन अमेरिकाह्ल अब ग्राहकों से ज्यादा विवादों को आकर्षित कर रहा है। दो तिहाई जर्मन आज कहते हैं कि वे अमेरिकी उत्पादों से परहेज कर रहे हैं। स्वीडन और फ्रांस में सोशल मीडिया पर अमेरिकी उत्पादों का बायकॉट किया जा रहा है। कनाडा की नाराजगी का तो कोई पारावार नहीं। वहां के उपभोक्ता अमेरिकी के बजाय जापानी व्हिस्की की ओर रुख कर रहे हैं, अमेरिकी स्ट्रीमिंग सेवाएं रद्द कर रहे हैं और वहां की यात्राएं रद्द कर रहे हैं। ऐसे में ऐसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है जिसमें अमेरिका इस टैरिफ-युद्ध के बाद विजेता के रूप में उभरे। यह जरूर हो सकता है कि अमेरिका अपने कुछ उद्देश्यों को प्राप्त कर ले, जैसे कि फैक्टरियों में अधिक नौकरियां पैदा करना और कथित रूप से अनुचित ट्रेड-भागीदारों को दंडित करना। लेकिन इसके बावजूद ऊंची कीमतों, कम दक्षता और नीति-निर्माण की विश्वसनीयता को पहुंची क्षति से अमेरिका को होने वाला नुकसान किसी भी लाभ से अधिक ही होगा।

बड़ी अमेरिकी कंपनियों से मिलने वाले असाधारण मुनाफे और ग्रोथ से मंत्रमुग्ध हो चुके निवेशकों को जल्द ही एक देश में इतनी पूंजी केंद्रित करने की अपनी मूर्खता का एहसास होने लगा है। इस दशक में अब तक अमेरिका ने दुनिया भर के शेयर बाजारों में प्रवाहित होने वाले धन के 80 प्रतिशत को अपनी ओर आकर्षित किया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। दुनिया भर के संस्थागत निवेशक तेजी से अपने अमेरिकी जोखिम को कम कर रहे हैं। इससे भारत या ब्राजील जैसी उभरती हुई इकोनॉमी को लाभ हो सकता है, जहां एक बड़ा घरेलू बाजार उनके जीडीपी का 70 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा है और वह व्यापार युद्धों से सुरक्षा प्रदान करता है। निर्यात-आधारित विकास मॉडल का बचाव करने के लिए कई देश अब एक साथ आ रहे हैं। जापान ट्रम्प-टैरिफ के लिए संयुक्त प्रतिक्रिया के बारे में दक्षिण कोरिया और चीन से बात कर रहा है। इस बीच, चीन और भारत ने अमेरिकी ट्रेड-वॉर के प्रभाव को कम करने को लेकर सहयोग करने के बारे में आवाज उठाई है। लैटिन अमेरिका में, ब्राजील अपने संरक्षणवादी आवेगों को त्याग रहा है और यूरोप के साथ एक नए सौदे पर तेजी से काम कर रहा है। वह चीन से भी व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका से अपने आयात को कम करने के लिए चीन ने हाल ही में ब्राजील से भारी मात्रा में सोयाबीन खरीदा है।

बिजनेस

गोल्ड का नया रिकॉर्ड, 1 लाख हुआ

112 दिन में 23,838 महंगा हो चुका है, इस साल 1.10 लाख तक जा सकते हैं दाम

नई दिल्ली। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज यानी, मंगलवार 22 अप्रैल को सराफा बाजार में पहली बार 1 लाख रुपए पर पहुंच गया। इधर, चांदी की कीमत 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो हो गई है। सोमवार को चांदी का भाव 96,242 प्रति किलो था। चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 93,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,500 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 92,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है।

सोने में तेजी के 3 कारण

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। शादियों का मौसम शुरू हो गया है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं।इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक यानी, 112 दिन में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 23,838 रुपए बढ़कर 1 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,883 रुपए बढ़कर 95,900 रुपए पर पहुंच गया है।अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

1947 में जब देश आजाद हुआ था तक सोना 88.62 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 1 लाख पर है। यानी तब से लेकर अब तक सोना 1127 गुना (112741%) महंगा हो चुका है। 1947 में चांदी का भाव करीब 107 रुपए किलो था और अब ये 95,900 रुपए पर है।हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी त्वक्ऌ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

सेंसेक्स 187 अंक ऊपर 79,596 पर बंद: निफ्टी 24,167 पर बंद, इंडसइंड बैंक का शेयर 4.73% गिरा

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 22 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 187 अंक चढ़कर 79,596 पर बंद हुआ। निफ्टी में 42 अंक की तेजी रही, ये 24,167 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में रही। क्ळउ, त्वछ, ट&ट, त्ठ्रक्छ बैंक और जोमैटो में 2.50% तक चढ़कर बंद हुए। इंडसइंड बैंक का शेयर 4.73% गिरा। वहीं, पावर ग्रिड, एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2.3% तक गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 गिरकर बंद हुए। हालांकि, ठरए के सेक्टोरल इंडाइसेस में रियल्टी में 2.42%, में 1.89%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.50%, निफ्टी हेल्थकेयर में 0.80% और सरकारी बैंक में 0.75% की तेजी रही।21 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 972 अंक (2.48%), नैस्डेक कंपोजिट 416 अंक (2.55%) और र&ढ 500 इंडेक्स 125 अंक (2.36%) गिरकर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई और कोरिया के कोस्पी में मामूली गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25% ऊपर 3300 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.78% चढ़कर 21,562 पर बंद हुआ। 21 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 1,970.17 करोड़ और भारतीय यानी घरेलू निवेशकों (उक्कर) ने 246.59 करोड़ रुपए के नेट शेयर खरीदे। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार 21 अप्रैल को सेंसेक्स 900 अंक से ज्यादा चढ़कर 79,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 300 अंक की तेजी है, ये 24,150 के स्तर पर है। बैंक निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। ये 1000 अंक चढ़कर 55,000 के पार पहुंच गया है। बैंकिंग के अलावा आज क्ळ और मेटल शेयर्स में भी बढ़त है। इंडसइंड बैंक और टेक महिंद्रा में 4% से ज्यादा की तेजी है।10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज यानी, मंगलवार 22 अप्रैल को पहली बार 1 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्इक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

10 साल से बड़े बच्चे खुद चला सकेंगे बैंक अकाउंट:अभी माता-पिता ऑपरेट करते हैं

नई दिल्ली। अब 10 साल से बड़े बच्चे खुद से सेविंग्स या टर्म डिपॉजिट अकाउंट खोल और ऑपरेट कर सकते हैं। फ्इक ने बैंकों को इसकी अनुमति दे दी। हालांकि, बैंक इसके लिए अपनी रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी के अनुसार शर्तें तय कर सकते हैं। फ्इक ने बैंकों से 1 जुलाई 2025 तक इन नए नियमों के मुताबिक अपनी पॉलिसी तैयार करने या फिर मौजूदा नियमों में बदलाव करने को कहा है। अब तक किसी भी उम्र के बच्चे अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावक (गार्जियन) के जरिए सेविंग्स या टर्म डिपॉजिट अकाउंट खोल सकते थे, पर ऑपरेट अभिभावक ही करते थे।

बैंक तय कर सकेंगे विड्राल लिमिट

10 साल या इससे बड़ी उम्र के बच्चे अपने अकाउंट को खुद ऑपरेट कर सकेंगे। लेकिन बैंक अपने नियमों के अनुसार कुछ लर्मिट तय करेंगे, जैसे कि कितना पैसा जमा कयिा या निकाला जा सकता है। एक बार में कितना पैसा निकाला जा सकेगा। बैंक बच्चों को इंटरनेट बैंकिंग, अळट / डेबिट कार्ड और चेकबुक जैसी सुविधाएं दे सकते हैं। लेकिन यह उनके रस्कि पर निर्भर करेगा। 18 साल का होने पर करने होंगे नए साइन जब बच्चा 18 साल का हो जाएगा तो बैंक को उससे नए साइन लेने होंगे। अगर अकाउंट अभिभावक चला रहे थे तो बैलेंस की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा अकाउंट होल्डर को नए नियमों की जानकारी भी दी जाएगी।

बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट पेरेंट्स के कंट्रोल में होता है, और बच्चे का नाम को-अकाउंट होल्डर के रूप में जोड़ा जाता है। 18 साल या इससे ज्यादा की उम्र होने पर बच्चे के नाम पर पूरी तरह से बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट ट्रांसफर किया जा सकता है।

कुछ बैंक अभी भी स्पेशल बैंक अकाउंट स्कीम जैसे कि स्इक पहला कदम खाता या त्ठ्रक्छ किड्स एडवांटेज अकाउंट खोलने की सुविधा देते हैं।

जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए 'विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम में भाग लेते छात्र।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 11 जून, 2025
www.adityabharat.com

समाज का देश की स्वतंत्रता और विकास में महत्वपूर्ण योगदान

जनजातीय कोल समाज जाना जाता है वीरता के लिए : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा और बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। जो लोग छूट गए हैं उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास के लिए दी अनेक सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले के विकास के लिए अनेक सौगात की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए 28 करोड़ रुपये, ग्राम पंचायत निपनिया में कॉलेज खोलने, सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन को विकसित करने, जयसिंहनगर तहसील के चरकी डोल से ओदारी नदी में 13 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण करने, जिला सतना के रामपुर बघेलान तहसील के भगदेवरा किला का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर की 9 फुटबाल टीमों को 10 लाख रुपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश के बच्चे खूब खेले, आगे बढ़े दुनिया में नाम कमाएं। उन्होंने सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले दलों के सदस्यों को भी 5-5 हजार रुपए देने की घोषणा की।

जनजातीय नायकों को भी किया याद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूतसिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूतसिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कौल समाज में अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व रहे हैं इनमें बुधु भगत और मदारा महतो भी शामिल हैं। कौल समाज इनके कृतित्व से गौरवान्वित है। वर्ष 1831 और 1832 में इन जनजातीय नायकों के नेतृत्व में अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष किया था। कौल समाज के बंधुओं ने भगवान श्रीराम के लिए पर्णकुटी बनाई थी। यह देश भक्त समाज है। जनजातीय समाज का इतिहास ऐसे महापुरुषों से गौरवशाली है। रानी दुर्गावती के सम्मान में सिंग्रामपुर में भी कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलन, कन्या पूजन तथा भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

शॉर्ट न्यूज

शादी के दिन की बड़ी चोरी सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

मऊगंज। मध्य प्रदेश के मऊगंज से एक हैरान करने वाली वारदात सामने आई है, जहां शादी की रौनक और रिश्तेदारों की चहल-पहल के बीच एक शातिर चोर ने लाखों की चोरी को अंजाम देकर सबको हैरान कर दिया। मामला मऊगंज के शगुन पैलेस का है, जहां योगेंद्र चतुर्वेदी के परिवार में शादी समारोह के दौरान चोरी की यह सनसनीखेज घटना हुई। परिवार के लोगों ने शादी समारोह की भागदौड़ के बीच ऊपरी मंजिल के एक कमरे में एक सूटकेस में 1 लाख रुपये नकद और 2 तोले सोने का मंगलसूत्र सुरक्षित रखा था। नीचे स्वागत-सत्कार में व्यस्त परिजनों को इस बात की भनक तक नहीं लगी कि एक अजनबी मेहमान की शक्ल में वारदात को अंजाम देने वाला शख्स धीरे से उनके कमरों की ओर बढ़ रहा है।

महिला प्रताड़ना के आरोप की जांच शुरू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु पर महिला अधिकारी को प्रताड़ना के आरोप की जांच अब एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। इसी कड़ी में SIT ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु और तकनीकी कर्मचारी से पूछताछ की। एसआईटी की टीम ने कुलगुरु और तकनीकी कर्मचारी से कई सवाल जवाब किए। Sit ने तत्कालीन कुलसचिव से भी पूछताछ की। इसके अलावा मुख्य आरोपी कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा और विभाग के प्रमुखों से भी घंटों बिठाकर उनसे पूछताछ की गई और अंत में विश्वविद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों को जब्त किया गया। बता दें कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु पर लगे आरोपों की जांच के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि राजेश वर्मा पर लगे आरोपों की जांच एसआईटी के करेगी। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के डीजीपी को निर्देश दिए के इसके लिए तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक एसआईटी गठित की गई है।

582 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार, 36 ओवरहेड टंकी का होगा निर्माण

2040 की जरूरत के हिसाब से बिछेगी वाटर सप्लाई पाइपलाइन

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के रहवासियों के लिए अच्छी खबर है। अब पेयजल (पानी) की किल्लत और लो प्रेशर की समस्या का सामना करना नहीं पड़ेगा। शहर सरकार भविष्य को ध्यान में रखकर साल 2024 की जरूरत के हिसाब से वाटर सप्लाई पाइपलाइन बिछाएगी। इसके लिए शहर सरकार (नगर निगम) ने प्रजेक्ट तैयार किया है। प्रोजेक्ट की लागत लगभग 582 करोड़ रुपए आएगी।

समस्या

दरअसल शहर में पेयजल की समस्या को देखते हुए नगर निगम के मेयर-इन-कौंसिल (एलआईसी) की बैठक में यह निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत राजधानी भोपाल में साल 2040 की जरूरत के हिसाब से वाटर सप्लाई पाइपलाइन बिछेगी। इसके लिए शहर सरकार ने प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रजोक्ट में 582 करोड़ रुपए खर्च होंगे। नई डिस्ट्रीब्यूशन वाटर सप्लाई पाइपलाइन से एक लाख घरों को जोड़ने की प्लानिंग है। इसी तरह 36 ओवरहेड टैंकों का निर्माण होगा। 53 किलोमीटर लंबी मेन फाइटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। हुजूर, गोविंदपुरा और नरेला के 600 करोड़ के सीवेज प्रोजेक्ट को निरस्त कर दिया है।

पानी भरने का कहकर घर से निकले बच्चों के मिले शव

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल के सूखी सेवनिया इलाके में सोमवार दोपहर एक खदान में दो बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। ये दोनों बच्चे रविवार सुबह से लापता हो गए थे। 13 साल का मोहित और 9 साल का केशव हैंडपंप से पानी भरने जाने की बात कहकर घर से निकले थे। लेकिन वापस नहीं लौटे। जानकारी के मुताबिक पिछले छह दिन से मोहित अपनी बुआ के घर आया हुआ था। रविवार सुबह करीब 10 बजे वह केशव के साथ निकला। जब दो घंटे तक भी दोनों घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने खुद ही तलाश शुरू कर दी। काफी देर ढूंढने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस को सूचना दी गई। दोपहर करीब 1 बजे दोनों के शव सूखी सेवनिया क्षेत्र में स्थित एक पुरानी खदान के पानी भरे गड्ढे में मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया। खदान के गड्ढे में बच्चे कैसे पहुंचे, ये हादसा है या कोई और बात है, पुलिस की जांच के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

बेटे को लेकर सुसाइड करने रेलवे ट्रैक पहुंच गई पत्नी, पुलिस ने बचाया

'भैया-भाभी के सामने किया बेइज्जत', पति ने की ऐसी हरकत

संवाददाता ● ग्वालियर

कभी-कभी पति पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर ऐसी तकरार भी हो जाती है कि वो विकराल रूप धारण कर लेती है। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश के ग्वालियर से सामने आया है। यहां एक पति ने छोटी सी बात को लेकर अपनी पत्नी को उसी के भैया-भाभी के सामने जलील किया। अगले दिन पत्नी ने पति को उसके किए बर्ताव के लिए टोका। पति फिर से बौखला गया। उसने दोबारा पत्नी से बदतमीजी की और घर पर तोड़-फोड़ शुरू कर दी।

क्राइम

भैया-भाभी के सामने हुई बेइज्जती को पत्नी बर्दाश्त न कर पाई। नाराज होकर पत्नी अपने 9 साल के बेटे के साथ सुसाइड करने रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। राहगीरों ने ट्रैक पर महिला को बैठा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को समझाइश देकर थाने ले आई। इसके बाद समझाइश देकर पत्नी को पति के हवाले कर दिया। घूमते समय पत्नी और पति में नोक झोंक हो गई। पति ने फिर पत्नी को गालियां देना शुरू कर दिया। सभी के समझाने के बाद भी वह नहीं माना। इससे महिला को भैया-भाभी के सामने बेइज्जती महसूस हुई। किले पर झगड़ा होने के बाद पत्नी को पति वहीं पर अकेले छोड़कर चला आया। अपने भाई-भाभी के सामने वह कुछ नहीं बोली। किला घूमने के कुछ देर बाद जब वह घर पहुंची तो घर पर ताला लगा हुआ था। पति को कॉल किया तो उसने कॉल रिसीव नहीं किया और काफी देर बाद नशे में घर पहुंचा। उस समय तो पति के नशे में होने पर पत्नी ने कुछ नहीं कहा।

दंपती की करवाई गई काउंसलिंग

मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को समझा-बुझाकर थाने ले आई और पति को भी थाने बुलाया। जिसके बाद पुलिस ने दंपति की काउंसलिंग करवाई और पति को समझाइश दी। फिर पुलिस ने पत्नी को पति के हवाले कर दिया। पति ने अपनी गलती मानते हुए दोबारा इस तरह की हरकत नहीं करने बात कहकर पत्नी को साथ ले गया। सोमवार सुबह जब पति नींद से जागा तो उसका नशा भी उतर गया था। जब महिला ने पति से उसके भाई-भाभी के सामने बेइज्जत करने की बात की तो वह अपना आपा खो बैठा। इसके बाद वह घर में तोड़फोड़ करने लगा। इस पर पत्नी नाराज हो गई और अपने 9 साल के बच्चे को लेकर निकल आई। वह नारायण विहार के पीछे स्थित रेलवे ट्रैक पर पहुंची और खुदकुशी के लिए रेलवे ट्रैक पर बैठ गई। उसे पटरी पर बच्चे के साथ रोते हुए बैठे देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

वन विभाग की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

संवाददाता ● भोपाल/ सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में वन विभाग ने अतिक्रमण के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को उत्तर वन मंडल सागर अंतर्गत वन परिक्षेत्र बांदरी में करीब 400 एकड़ वन भूमि को मुक्त कराया। वन भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में विभाग ने 150 हेक्टेयर भूमि को मुक्त कराने में सफलता पाई। रिपोर्ट के मुताबिक वन परिक्षेत्र बांदरी के वीट पथरिया चिंटाई अंतर्गत कक्ष क्रमांक पीएफ-254 की वन भूमि पर पिछले कई वर्षों से अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध रूप से खेती की जा रही थी। जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक में बुंदेल सिंह सहित अन्य अतिक्रमणकारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने का आदेश पारित किया गया।अतिक्रमण के खिलाफ इस संयुक्त कार्रवाई में सीसीएफ उड़नदस्ता दल, वनमंडल दक्षिण सागर उड़नदस्ता दल, थाना प्रभारी बांदरी योगेंद्र सिंह, उजनेट चौकी प्रभारी मनोज वास्कले सहित स्टाफ, रेंजर बी।एन। सोलंकी, जी।पी। शाक्य, शुभम जैन एवं बंडा, खुरई, मालथौन, उत्तर सागर और बांदरी का वन अमला सक्रिय रूप से मौजूद रहा। उत्तर वन मंडल सागर डीएफओ चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि वन विभाग की यह कार्रवाई पर्यावरण संरक्षण और सरकारी जमीन की रक्षा की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखी जा रही है। अधिकारियों ने साफ संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कार्रवाई

400 एकड़ वन भूमि से हटाया अवैध अतिक्रमण

नगीना सांसद चंद्र शेखर आजाद पर पीएचडी स्कॉलर रोहिणी घावरी ने लगाए बड़े आरोप

संवाददाता ● भोपाल

भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद सामाज पार्टी (कांशीराम) के नगीना से सांसद चंद्र शेखर आजाद एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इंदौर की रहने वाली एक पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने उन पर गंभीर मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रोहिणी ने अपनी आपबीती शेयर करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने और चंद्र शेखर के कथित निजी संबंधों को सार्वजनिक किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'चंद्र शेखर ने उन्हें प्रेम में बांधकर उनकी जवानी के कीमती समय बर्बाद कर दिए और जब शादी की बात आई, तब उन्हें छोड़ दिया' रोहिणी के मुताबिक, यह सिर्फ उनकी कहानी नहीं, बल्कि हजारों लड़कियों की सच्चाई है, जो ऐसे अनुभवों से गुजरती हैं। उन्होंने लिखा, "पहले एक लड़की के लिए सब करो, पूरी तरह अपने प्यार में उसको दीवाना बना लो, उसे भरोसा हो जाए कि तुम ही उसका प्यार हो, फिर उसकी जवानी की वो कीमती वक्त 25 से 30 साल की उम्र के समय जब उसे एक साथी की जरूरत है, वो आप छीन लो।" घावरी ने आगे लिखा, "जैसे ही वो लड़की आपसे शादी करने का कहे, फिर उसे इस उम्र का सबसे बड़ा ट्रॉमा डिप्रेशन देकर छोड़कर निकल जाओ। वो लड़की समझ ही न पाए कि ऐसा सबकुछ क्यों हुआ, उस लड़की का शादी रिश्तों पर से विश्वास उठ जाए और फिर पूरी जिंदगी एक विधवा की तरह बेरंग जिंदगी जिए। खुद से सवाल करती रहे कि इतनी ईमानदारी से रिश्ता निभाने के बाद भी ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने लिखा, "यह समाज भी लड़की के चरित्र पर सवाल उठाए और परिवार भी उसी को दोष दे। उस लड़की का दर्द बढ़ता रहे, वो अकेले सब सहती रहे। लेकिन, जब वो लड़की अपने साथ हुए छल पर बोलना शुरू करे तो उसे ब्लैकमेलिंग षड्यंत्र का नाम दे और गलत समझे।

मानसून में बढ़ता है डेंगू-मलेरिया का खतरा, भोपाल में ड्रोन से होगा सर्वे

छतों पर मच्छरों का लार्वा मिला तो कटेगा चालान

संवाददाता ● भोपाल

मानसून की एंट्री होने वाली है। इस सीजन में जापानी इंसेफ्लाइटिस (JE), डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों का खतरा ज्यादा रहता है। इन पर लगाम कसने के लिए मध्यप्रदेश का स्वास्थ्य विभाग अब हाई-टेक मोड पर आ गया है। विभाग इंदौर में सफल ट्रायल के बाद भोपाल और ग्वालियर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और जीपीएस आधारित इंटीग्रेटेड ड्रोन सर्विस की शुरुआत करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोकना है।

खतरा

इसके जरिए शहर की ऊंची इमारतों की छतों, खाली प्लॉटों और अन्य ऐसी जगहों पर जहां बारिश का पानी जमा रहता है, उनकी मॉनिटरिंग की जाएगी। विभाग का मानना है कि इसकी मदद से उन जगहों पर भी मच्छरों की ब्रीडिंग रोकी जा सकेगी, जहां कर्मचारी नहीं पहुंच पाते। वहीं, जिस भवन की छत पर लार्वा मिलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यदि, यह प्रोजेकट सफल रहा तो इसके आखिरी चरण में साथ-साथ ड्रोन से ही दवा का छिड़काव भी किया जाएगा। दरअसल, राजधानी के जिला मलेरिया विभाग में करीब आधे पद खाली हैं। यही स्थिति प्रदेश के अन्य जिलों की है। ऐसे में कर्मचारी सभी जगह नहीं जा पाते। शहर का एक बड़ा हिस्सा छूट जाता था। जिससे डेंगू के रोकथाम के प्रयास लगातार असफल हो रहे थे। जिन इलाकों में ड्रोन से मैपिंग और छिड़काव किया गया, वहां डेंगू के मामलों में 60% तक की कमी दर्ज की गई। इंदौर में पिछली बार डेंगू के 550 मरीज मिले थे, जबकि इससे पहले यह संख्या 700 से ज्यादा थी।

पांच चरणों में होगा काम

मैपिंग: सबसे पहले हाई-रिस्क क्षेत्रों की जीपीएस आधारित मैपिंग की जाएगी।

इमेज कैप्चर: इन क्षेत्रों में मौजूद ब्रीडिंग साइट्स की हाई-रेजोल्यूशन इमेज ली जाएंगी।

जानकारी साझा करना: इन इमेजेस को मलेरिया विभाग और नगर निगम की ग्राउंड टीम को भेजा जाएगा।

ग्राउंड एक्शन: ग्राउंड टीम जीपीएस लोकेशन के आधार पर मौके पर पहुंचकर लार्वा को खत्म करेगी।

ड्रोन छिड़काव और दोबारा मैपिंग: अगर किसी वजह से ग्राउंड टीम लोकेशन पर नहीं पहुंच पाती है, तो ड्रोन से ही दवा का छिड़काव किया जाएगा। दवा डालने के बाद ब्रीडिंग साइट की दोबारा मैपिंग कर लार्वा खत्म होने की जानकारी भी दी जाएगी।

दीदी सोनम की बर्थडे पार्टी में खुशी कपूर का ब्वॉयफ्रेंड वेदांग रैना से हुआ झगड़ा

द आर्चीज, लवयापा और नादानियां में नजर आ चुकीं खुशी कपूर अपने प्रोफेशनल फ्रंट के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय से उनका नाम एक्टर वेदांग रैना के साथ जोड़ा जा रहा है। अब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। दरअसल, बीती रात को सोनम कपूर के 40वें जन्मदिन पर अनिल कपूर के बंगले में एक शानदार पार्टी होस्ट की गई थी, जहां करीना कपूर खान, भूमि पेडनेकर, करण जौहर और मसाबा गुप्ता समेत कई सेलिब्रिटीज पहुंचे थे। सोनम की चचेरी और जाह्नवी कपूर की सगी बहन खुशी कपूर भी पार्टी में शरीक हुई थीं। खुशी के साथ वेदांग रैना भी इस पार्टी में मौजूद हुए थे। सोनम की बर्थडे पार्टी से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें खुशी और वेदांग एक-दूसरे से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों कोई सीरियस बात करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान वेदांग, खुशी को अपना फोन भी दिखा रहे हैं। यही नहीं, खुशी कपूर वहां से जा रही होती हैं तो वेदांग उनका हाथ थाम लेते हैं और कुछ बात करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस वीडियो के बाद लोग कयास लगा रहे हैं कि शायद दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो रही है। वेदांग और खुशी एक साथ द आर्चीज में काम कर चुके हैं। इसे जोया अख्तर ने डायरेक्ट किया था। दोनों ने ही इस फिल्म से डेब्यू किया था। शूटिंग के दौरान ही वे अच्छे दोस्त बन गए थे और तभी से उनकी डेटिंग की अफवाह है। वेदांग के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में भी काम कर चुके हैं। उनकी परफॉर्मेंस को काफी सराहा गया था।

कैंसर सर्जरी के बाद दीपिका कक्कड़ का पहला वीडियो बात करते हुए छलके आंसू

टी वी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ के लिए बीते कुछ दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। पहले उन्हें लिवर में ट्यूमर था और बाद में पता चला कि वह दूसरे स्टेज के कैंसर से जूझ रही हैं। खैर, अब उनकी सर्जरी हो गई है और पहली बार एक्ट्रेस ने अपना हेल्थ अपडेट दिया है। जब से दीपिका कक्कड़ बीमार पड़ी हैं, तभी से उनके पति शोएब इब्राहिम समय-समय पर अपनी बीवी की हेल्थ के बारे में बताते रहते हैं। कुछ समय पहले एक्टर ने बताया था कि दीपिका की 14 घंटे तक सर्जरी चली थी और लिवर का एक हिस्सा भी काटना पड़ा था। सर्जरी के बाद अब दीपिका पहली बार कैमरे के सामने आईं और पति के व्लॉग में इमोशनल हो गईं। हॉस्पिटल से अभिनेता ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया कि अब वह पहले से काफी बेहतर हैं। दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'बस इस वक्त इतना ही बोलूंगी। आप लोगों ने बहुत दुआएं की हैं, उसके लिए दिल से थैंक यू। हॉस्पिटल में भी स्टाफ, नर्स, अलग-अलग जगहों से आकर बोल रहे थ, मैम आप ठीक हो जाएंगी। दीपिका कक्कड़ ने आगे कहा, 'दूसरे मरीज के रिश्तेदार भी बोल रहे थे, 'हम आपके लिए प्रार्थना कर रहे थे।' उनके अपने बच्चे, पिता हैं, लेकिन फिर भी वो मेरे लिए दुआ कर रहे थे। ये सारी चीजें बहुत मायने रखती हैं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। बहुत अच्छे से रिकवरी हो रही है। मैं अब काफी बेहतर हूं।'

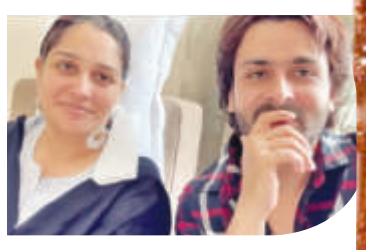

करिश्मा कपूर का बदला अंदाज, 50 की उम्र में गुम दिखा चेहरे का नूर

क रिश्मा कपूर ने 90 के दशक में अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म 'प्रेम कैदी' थी और उन्होंने जब ये फिल्म की तब उनकी उम्र मात्र 17 साल थी। अब करिश्मा कपूर 50 साल की हो चुकी हैं, लेकिन ग्लैमर और फिटनेस के मामले में आज भी वह कई खूबसूरत और यंग हसीनाओं को टक्कर देती हैं। आज भी करीना कपूर लाइमलाइट में बनी रहती हैं और अब भी एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं। हाल ही में करिश्मा, सोनम कपूर के बर्थडे बैश में पहुंचीं, जहां उनके लुक ने सबको हैरत में डाल दिया। ये वीडियो चर्चा में बना हुआ है और 90 के दशक की डिवा को लेकर अपना प्यार जाहिर कर रहे हैं। इस वीडियो में ब्लैक ड्रेस में सोनम कपूर के घर से बाहर निकलती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में जैसे ही कैमरामैन जूम करता है, उनके चेहरे पर उम्र का असर देखा जा सकता है, जो कि सामान्य बात है। लेकिन, अभिनेत्री के इस लुक ने उनके फैंस को जरा निराश कर दिया है। क्योंकि, कभी करिश्मा बॉलीवुड की स्टार हुआ करती थीं। ऐसे में करिश्मा के कई फैन इस बात को लेकर अभिनेत्री की तारीफ करते दिखे कि कैसे उन्होंने इस उम्र में भी खुद को मेंटेन रखा है। वहीं कुछ ने उनके लुक पर भी कमेंट किए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- 'बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत, नेचुरल और नॉन प्लास्टिक अभइनेत्रियों में से एक।' एक अन्य ने लिखा- '90s की लोलो अब पहले जैसी नहीं रहीं।' एक और ने लिखा- 'मैं आज भी करिश्मा का फैन हूं। बॉलीवुड की नॉन प्लास्टिक अभिनेत्री।' चौथे यूजर ने लिखा- 'करिश्मा के चेहरे पर अब उम्र दिखने लगी है।' ऐसे ही कमेंट्स के जरिए यूजर अभिनेत्री के लुक पर प्रतिक्रिया जाहिर करते दिखे।

भावुक फैन बोले- 'हमारी लोलो...'

कई ने करिश्मा की इस बात को लेकर तारीफ की कि उन्होंने अपनी उम्र को छुपाने के लिए अन्य हसीनाओं जैसे बोटोक्स या फिर किसी अन्य कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा नहीं लिया। वहीं कुछ समय पहले करिश्मा कपूर अपने दादा राज कपूर के सिनेमा में 100 साल पूरे होने पर 'भारतीय सिनेमा के महानतम शोमेन' सेलिब्रेशन में पूरे कपूर परिवार के साथ नजर आई थीं। यहां भी करिश्मा कपूर के ने अपने लुक के लिए खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

ठग लाइफ की तुरंत सुनवाई की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

क मल हसन की फिल्म ठग लाइफ सिनेमाघरों में 5 जून को रिलीज हुई। बड़े पर्दे पर दस्तक देने के बाद से फिल्म विवादों में घिरी हुई हैं। इस मूवी पर पूरा विवाद अभिनेता कमल हसन की एक टिप्पणी के बाद खड़ा हुआ। अब फिल्म से जुड़ा यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। हालांकि, कोर्ट ने इस पर तुरंत सनवाई की याचिका को खारिज कर दिया है। आइए इससे जुड़ा पूरा घटनाक्रम सिलसिलेवार ढंग से जानते हैं। कमल हसन की फिल्म को कर्नाटक में लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। 'द ठग लाइफ' फिल्म को लेकर कर्नाटक थिएटर एसोशिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने सिनेमाघरों के बाहर सुरक्षा का इंतजाम करने की मांग की। ऐसा उन्होंने फिल्म की स्क्रीनिंग का विरोध करने वाले लोगों की धमकियों के कारण किया। इस मामले पर तत्काल सुनवाई की याचिका दायक की गई थी, लेकिन वकील की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करने के लिए मंजूरी दी रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कनार्टक थिएटर एसोशिएशन की याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट में दलील रखी कि आसामाजिक तत्वों ने सिनेमाघरों में आग लगाने की धमकियां दी हैं। उनका कहना है कि थिएटर में यह तमिल फिल्म गलती से भी दिखाई गई, तो सिनेमाघरों को आग की लपटों में झोंक दिया जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट हमारी याचिका पर सुनवाई करें।

सेक्शुएल हैरेसमेंट से कांपने लगी थीं जेमी लीवर

जॉ नी लीवर की बेटी, कॉमेडियन और एक्ट्रेस जेमी लीवर ने हाल ही में बताया है कि महज 10-12 साल की उम्र में उन्हें पब्लिक प्लेस में सेक्शुअली हैरेस किया गया था। वो स्कूल से लौट रही थीं, जब एक आदमी उन्हें अपना प्राइवेट पार्ट दिखाते हुए अश्लील हरकतें करने लगा था। ये देख कर वो कांपने लगी थीं। हॉटरफ्लाई में जेमी ने सेक्शुअल हैरेसमेंट का डरावना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा, एक दिन में एनुअल फंक्शन की रिहर्सल करके जा रही थी। मेरे ड्राइवर ने मुझे पिक किया और कहा बेटा गाड़ी में जाकर बैठ जाओ और वो मेरे भाई के आने का इंतजार करने लगा। मैं गाड़ी में बैठी थी और मेरी फ्रेंड हम बाजू में बैठकर बातें कर रहे थे पीछे वाली सीट पर। मैं उसकी तरफ देखकर बातें कर रही थी और वो लड़का उसके पीछे खिड़की के पीछे प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील हरकतें करने लगा। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि वो क्या कर रहा है। मैंने पहली बार मेल पार्ट देखा था। मैं इतनी शॉक हो गई कि मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है। तो मैंने अपनी दोस्त को देखा और कहा कि एक क्रीपी लड़का तुम्हारे पीछे है वो क्या कर रहा है। मैं बहुत छोटी थी। मैं कांपने ल ग ी थी।

'आप फ्रेंचाइजी की आत्मा हैं...'

परेश रावल से आशीष चंचलानी ने की गुजारिश, हेरा फेरी 3 से जुड़ा है मामला

अ क्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इसे दर्शकों से बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके अलावा उनकी एक अन्य फ्रेंचाइजी फिल्म हेरा फेरी 3 का नाम भी सुर्खियों में हैं। फिल्म की अनाउंसमेंट के समय से इसे लेकर लोगों के बीच काफी बज बना हुआ है, लेकिन परेश रावल की घोषणा के बाद फैंस थोड़े निराश हो गए हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग एक्टर से उनकी राय बदलने के बारे में सलाह देते नजर आ रहे हैं। इस बीच दिग्गज अभिनेता परेश रावल की नई पोस्ट चर्चा में आ गई है, जिसमें उन्होंने एक बार फिर फिल्म में काम ना करने से इनकार किया है। अभिनेता परेश रावल ने हेरा फेरी 3 पर एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया। इस पर यूट्यूबर आशीष चंचलानी ने भी प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि चर्चा में रहने वाले आशीष चंचलानी ने दिग्गज अभिनेता के बाबू भैया के किरदार को लेकर क्या कुछ कहा है। एक यूजर ने परेश रावल से अनुरोध करते हुए कहा, सर कृप्या दोबारा सोच लीजिए। आप इस फिल्म के हीरो हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिग्गज अभिनेता ने लिखा, 'नहीं, हेरा फेरी फिल्म में तीन हीरो हैं।' इससे उनके कहने का अर्थ है कि फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी भी हैं। बता दें कि फिल्म में अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की वापसी कंफर्म हो गई है, लेकिन परेश रावल के एलान के बाद बाबू राव के किरदार पर मामला अटका हुआ है। परेश रावल की प्रतिक्रिया और यूजर के अनुरोध पर आशीष चंचलानी ने भी रिएक्शन दिया है। लेकिन इस समय हम सभी आपसे फिल्म में वापस आने का अनुरोध करते हैं।

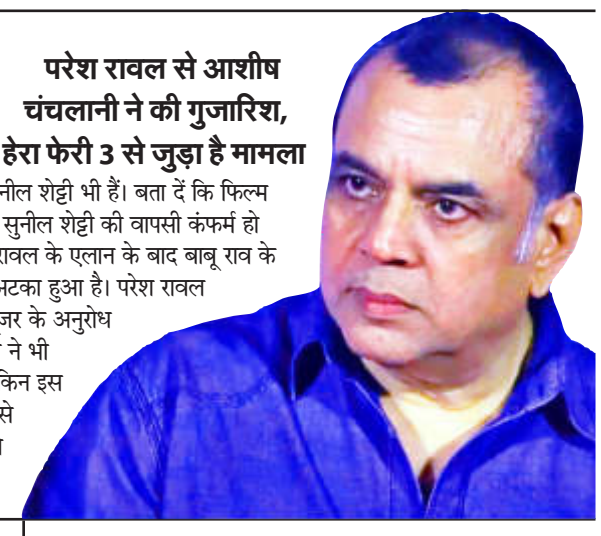

विजय माल्या ने किया था समीरा रेड्डी का कन्यादान

बिजनेस टाइकून विजय माल्या एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में विजय माल्या ने एक पॉडकास्ट में कई खुलासे किए। इस बीच एक्ट्रेस समीरा रेड्डी का एक पुराना इंटरव्यू भी चर्चा में आ गया, जब उन्होंने खुलासा किया था कि विजय माल्या ने उनकी शादी में कन्यादान किया था। दरअसल, साल 2014 में DNA को दिए एक इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बताया था, 'केवल विजय माल्या, जो मेरी मां की तरफ से रिश्तेदार हैं, ने मुझे दूल्हे को सौंपा। बाकी सिर्फ करीबी दोस्त और परिवारजन ही शामिल थे।' बता दें कि समीरा की शादी बिजनेसमैन अक्षय वर्दे से पारंपरिक महाराष्ट्रीयन रीति से हुई थी। समीरा और अक्षय की शादी 21 जनवरी 2014 को बेहद प्राइवेट तरीके से हुई थी। इस समारोह में केवल करीबी दोस्त और परिवार ही शामिल हुए थे। समीरा ने कहा था, 'क्या यह सबसे अच्छा तरीका नहीं है शादी करने का?' समीरा ने बताया था कि प्लानिंग के झंझट से बचने के लिए शादी तय समय से पहले कर ली। यह शादी पहले अप्रैल में प्लान की गई थी, लेकिन बाद में प्री-पोन कर दी गई। शादी की सारी तैयारियां समीरा की बहन सुषमा ने 10 दिनों में कीं। समीरा ने कहा था, 'कई महीनों की टेंशन और प्लानिंग में बहुत स्ट्रेस होता है... अक्षय ने कहा, क्यों न जल्दी कर लें। मैंने कहा- क्यों न, फिर हमने 'आई डू' कह दिया और मुझे खुशी है कि हमने ऐसा किया।' शादी में समीरा ने सिंपल साउथ इंडियन साड़ी पहनी थीं।

'सितारे जमीन पर' में 23 साल छोटी एक्ट्रेस संग रोमांस करने पर आमिर ने तोड़ी चुप्पी

बॉ लीवुड के मिस्टर परेफक्शनिस्ट आमिर खान एक्टिंग करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दे चुके हैं। इन दिनों वह अपकमिंग फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा स्क्रीन शेयर करेंगी। दोनों की उम्र के बीच करीब 23 साल का अंतर है। इससे पहले सलमान खान के ऊपर भी छोटी उम्र की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ रोमांस करने पर सवाल खड़े किए गए थे। अब हेटर्स के निशाने पर आमिर खान आ गए हैं और उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। आमिर खान सितारे जमीन पर के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। इस बीच उन्होंने जेनेलिया और अपनी उम्र को लेकर खड़े किए गए सवालों पर चुप्पी तोड़ी है। साथ ही, उन्होंने बताया है कि अब यह चीज सामान्य कैसे हो गई है। बॉलीवुड के चुनिंदा बेहतरीन कलाकारों की लिस्ट में आमिर खान का नाम शामिल किया जाता है। एक्टिंग ही नहीं, उनके पास अपनी बात को बेहतर ढंग से समझाने की कला भी है। जेनेलिया संग उम्र के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'यह बात मेरे मन में भी आई थी, लेकिन सितारे जमीन पर फिल्म में हम दोनों ही 40 साल के करीब की उम्र के किरदार निभा रहे हैं। इतना ही नहीं, जेनेलिया भी करीब उतनी ही उम्र की हैं। मैं जरूर 60 साल का हूं, लेकिन आज के समय में हमारे पास वीएफएक्स का लाभ है।' सितारे जमीन पर की रिलीज डेट को लेकर बात करें, तो फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके ट्रेलर को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब देखना होगा कि यह फिल्म आमिर खान का कमबैक करवा पाती है या नहीं।

'अखंडा 2' का धांसू टीजर हुआ आउट

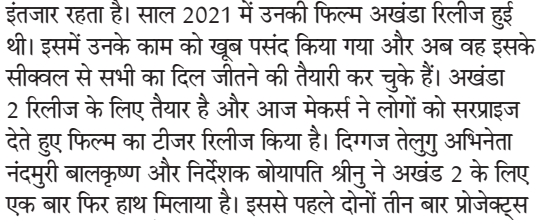

नं दमुरी बालकृष्ण अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उनकी कुछ हिट मूवीज के सीक्वल का सभी को इंतजार रहता है। साल 2021 में उनकी फिल्म अखंडा रिलीज हुई थी। इसमें उनके काम को खूब पसंद किया गया और अब वह इसके सीक्वल से सभी का दिल जीतने की तैयारी कर चुके हैं। अखंडा 2 रिलीज के लिए तैयार है और आज मेकर्स ने लोगों को सरप्राइज देते हुए फिल्म का टीजर रिलीज किया है। दिग्गज तेलुगु अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु ने अखंड 2 के लिए एक बार फिर हाथ मिलाया है। इससे पहले दोनों तीन बार प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुके हैं। अब उनकी अपकमिंग फिल्म का धांसू टीजर जारी किया जा चुका है। आइए जानते हैं कि इसमें क्या कुछ देखने को मिला है। अखंड 2 फिल्म का निर्माण राम अचंता और गीपचंद अचंता ने मिलकर किया है। आज लॉन्च किए गए टीजर में बालकृष्ण बिल्कुल नए अवतार में नजर आए हैं, जो आध्यात्मिक छवि के साथ दमदार एक्शन को दिखाता है। इसमें भी उनका किरदार ठीक वैसा ही नजर आया है, जो इसके पहले पार्ट में था। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने टीजर देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक्टर के काम की सराहना की है। अखंड 2 का टीजर देखने के बाद सिनेमा लवर्स की एक्साइटमेंट इसे लेकर बढ़ गई है। नंदमुरी के फैंस ने तो इसके टीजर पर भी बेशुमार प्यार लुटाना शुरू कर दिया है। रिलीज डेट की बात करें, तो फिल्म के लिए दर्शकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 25 सितंबर 2025 को मूवी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके पहले पार्ट अखंड के बारे में बता दें कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। अब देखना दिलचस्प होगा कि उनकी फिल्म का सीक्वल कैसा प्रदर्शन कर पाता है।

फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका की प्लेइंग एलेवन घोषित, पिछले दो टेस्ट में 13 विकेट लेने वाले बॉलर बाहर

एजेंसी ● नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। कप्तान टेम्बा बावुमा ने टीम की घोषणा की। यह टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई दिखाती है। यह साउथ अफ्रीका का पहला टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल है। टीम की भिड़ंत लॉर्ड्स के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से है। पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया इस टूनार्मेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। साउथ अफ्रीका की टीम ने टेस्ट चैंपियनशिप के टेबल में पहले नंबर पर रहकर फाइनल में जगह बनाई है। टीम ने अपने आखिरी सातों टेस्ट मैच में जीत हासिल की।

मुल्डर तीसरे नंबर पर बैटिंग करेंगे

रेयान रिकेल्टन हळउ 2023-25 चक्र में साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके साथ बावुमा, एडेन मार्करम और ट्रिस्टन स्टब्स भी हैं। वियन मुल्डर को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला है। उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैचों में भी इसी क्रम पर बल्लेबाजी की थी। बावुमा ने मुल्डर के बारे में कहा, 'मुल्डर इस पोजीशन पर काफी युवा हैं। लेकिन मुझे लगता है कि मुल्डर के साथ खेलने और पिछले दो सालों में रेड-बॉल फॉर्मेट में उन्हें बढ़ते हुए देखने के बाद, यह उन्हें और अधिक आत्मविश्वास देने, उनका समर्थन करने और उन्हें वह करने की अनुमति देने के बारे में है जो वह सबसे अच्छा करते हैं।'केशव महाराज टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में कगिसो रबाडा, मार्को जानसेन और लुंगी एनगिडी शामिल हैं। डेन पैटरसन ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज के दो मैच में 13 विकेट लिए थे लेकिन उन्हें जगह नहीं मिली। बावुमा ने उनकी जगह एनगिडी को चुनने का कारण बताते हुए कहा, 'शायद यह सबसे कठिन फैसलों में से एक था। हमने देखा कि डेन पीटरसन ने पिछले सीजन के अंत तक हमारे लिए क्या किया। लेकिन यह रणनीति के नजरिए से ज्यादा था। लुंगी से थोड़ी और गति की उम्मीद है, मुझे लगता है कि वह लंबे भी हैं।'साउथ अफ्रीका की प्लेइंग क्र एडेन मार्करम, रेयान रिकेल्टन, वियन मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंगहम, काइल वेरेने (विकेटकीपर), मार्को जानसेन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल आज

एजेंसी ● नई दिल्ली

दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की निगाहें एक बार फिर टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े मुकाबले पर टिकी हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (हळउ) का फाइनल 11 जून से शुरू होने जा रहा है, और इस बार यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फिलहाल खिताब ऑस्ट्रेलिया के पास है, लेकिन क्या वे अपनी बादशाहत बरकरार रख पाएंगे या साउथ अफ्रीका इतिहास रचेगा? यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

लॉर्ड्स के मैदान पर होगा फाइनल

इस बार खास बात यह है कि भारतीय टीम इस फाइनल का हिस्सा नहीं है। बावजूद इसके, भारत में क्रिकेट प्रेमियों में इस मुकाबले को लेकर जबरदस्त उत्साह है। क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान में फाइनल खेला जाएगा। दोनों टीमें पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने को तैयार हैं। मैच से पहले पैट कमिंस और टेम्बा बावुमा की लॉर्ड्स की बालकनी में फोटोशूट भी हो चुका

है। अब सभी को टॉस और पहली गेंद का बेसब्री से इंतजार है।भारत और यूके के समय में 4 घंटे 30 मिनट का अंतर है। स्थानीय समय अनुसार यह मुकाबला 11 बजे शुरू होगा जबकि भारतीय दर्शकों के लिए यह मैच 11 जून को दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा। पहले दिन 3 बजे टॉस किया जाएगा, जबकि बाकी दिनों में मैच सीधे 3:30 बजे से शुरू होगा। मुकाबले का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। अगर आप मोबाइल या स्मार्ट टीवी पर देखना चाहते हैं, तो आपके पास जियो हॉटस्टार ऐप होना जरूरी है। आईसीसी ने फाइनल के लिए रिजर्व डे की भी व्यवस्था की है। अगर किसी दिन बारिश के चलते खेल बाधित होता है, तो 16 जून को रिजर्व डे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि 15 जून तक नया टेस्ट चैंपियन मिल जाएगा। हर दिन का खेल रात करीब 10:30 बजे तक खत्म हो जाएगा, बशर्ते पूरे 90 ओवर फेंके जा सकें। ऐसा नहीं होने पर खेल को आधे घंटे आगे बढ़ाया जा सकता है।

अगर आरसीबी बिकी तो ये 5 कंपनियां खरीदने के लिए लगा सकती हैं जोर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। अब खबर है कि फ्रेंचाइजी बिकने वाली है। यूनाइटेड स्पिरिट्स का पास अभी फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अगर आरसीबी को बिकती है तो इसे कौन खरीद सकता है? हम आपको 5 ऐसी कंपनियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बिकने पर आरसीबी को खरीदने की पूरी कोशिश करेगी।अडानी ग्रुप की महिला प्रीमियर लीग में टीम है। इसके अलावा यूएई की आईएलटी20 में भी गल्फ जायंट्स अडानी ग्रुप की ही टीम है। इसके अलावा कबड्डी, बॉक्सिंग और खो खो लीग में भी इस ग्रुप की टीम है। ऐसे में अगर आरसीबी बिकती है तो अडानी ग्रुप जरूर खरीदने की कोशिश कर सकती है।2022 में आईपीएल में दो नई फ्रेंचाइजी अहमदाबाद और लखनऊ की एंट्री हुई थी। कोटक ने तब उनके लिए बिडिंग की थी लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अब जब आरसीबी जैसी सफल टीम बिकेगी तो वह जरूरत खरीदना चाहेंगे।

टीम इंडिया में नहीं हुआ सिलेक्शन तो सीएसके के कप्तान ने उठाया ये कदम, इंग्लैंड में मचाएंगे कोहराम

एजेंसी ● लीड्स

भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिये यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा हैं जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले।

इंडिया ए के लिए बेंच पर रहे रुतुराज

रुतुराज गायकवाड़ को दोनों ही मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल वह इंडिया ए के कप्तान थे। लेकिन इस दौरे पर बेंच पर बैठे रह गए। उन्हें टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली है। आईपीएल 2025 में वह चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान थे। लेकिन चोट की वजह से बीच में ही लीग से बाहर हो गए। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। इस मैच में रुतुराज को मौका मिल सकता है।यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, ह्यइंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रुतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिये पारी का आगाज भी कर चुका है। गायकवाड़ ने कहा कि मैं हमेशा से यहां काउंटी क्रिकेट खेलना चाहता था और यॉर्कशर से बड़ा इंग्लैंड का कोई क्लब नहीं होगा।28 साल के

रुतुराज गायकवाड़ के नाम 6 वनडे में 115 जबकि 23 टी20 इंटरनेशनल में 633 रन हैं। उनके नाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक भी है। रुतुराज की कप्तानी में भारत ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने अभी तक 38 फर्स्ट क्लास मैच में 41.77 की औसत से 2632 रन बनाए हैं। 86 लिस्ट ए मैच में उनका औसत 56.15 का है। वह 16 शतक और 17 फिफ्टी की मदद से 4324 रन बना चुके हैं।

निकोलस पूरन ही नहीं, ये चार दिग्गज क्रिकेटर भी रहे बदकिस्मती, बिना टेस्ट खेले हो गए रिटायर

एजेंसी ● नई दिल्ली

निकोलस पूरन को अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की रणनीति का अभिन्न अंग माना जा रहा था लेकिन उन्होंने यूं अचानक संन्यास का ऐलान कर दिया। वेस्टइंडीज के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में शामिल पूरन ने यह फैसला क्यों किया, यह तो नहीं बताया, लेकिन उनके रिटारमेंट के बाद एक ऐसे खिलाड़ी का इंटरनेशनल करियर खत्म हुआ जो आने वाले सालों में क्रिस गेल इतना सफल होता। कम उम्र में संन्यास लेने वाले पूरन ने वनडे और टी20 तो खेले, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आज तक उन्हें मौका नहीं मिला था।

आइए जानते हैं उन क्रिकेटरों के बारे में जो टी20 वनडे में तो छाए रहे, लेकिन टेस्ट में डेब्यू नहीं कर सके।टेन डोशेट ने ऐसे देश के लिए खेला, जिसकी पुरुष टीम के पास आज भी टेस्ट का दर्जा नहीं है। यह दुख की बात है, क्योंकि वह खेल के महानतम ऑलराउंडरों में से एक बन सकते थे। 33 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने पांच शतकों और 9 अर्धशतकों के साथ 67 की औसत से 1541 रन बनाए और 24.12 की औसत से 55 विकेट भी लिए। एसेक्स के

लिए उन्होंने खुद को लंबे प्रारूप में स्थापित किया। उन्होंने 2003 से 2021 तक क्लब के लिए खेला। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 40 की औसत से 21 शतकों के साथ 9,841 रन बनाए।

कुल मिलाकर, उन्होंने ओटागो के लिए भी खेलते हुए 11,298 रन बनाए। इंटरनेशनल टीम के लिए वाइट जर्सी पहनने का सपना अधूरा ही रह गया।डेविड हसी के बड़े भाई माइकल को 30 साल की उम्र में अपनी पहली टेस्ट कैप मिली, लेकिन डेविड का भाग्य उतना अच्छा नहीं था। उन्हें कभी भी 'बैगी ग्रीन' (ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कैप) पहनने का मौका नहीं मिला।

एक आक्रामक सीमित ओवरों के बल्लेबाज हसी ने दुनिया भर की विभिन्न टी20 लीगों में खेला, लेकिन वह एक लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रथम श्रेणी के बल्लेबाज भी थे। उन्होंने 192 मैचों में 52.50 की औसत से 14,280 रन बनाए। उन्होंने 2009/10 में शेफील्ड शील्ड रन-टैली में 970 रनों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें फाइनल में 168 रन भी शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि उन्हें पुरस्कृत करने के बजाय, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने युवाओं को मौका देने के लिए एक महीने के भीतर उनका अनुबंध समाप्त कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 2010/11 में 24 वर्षों में पहली बार घरेलू मैदान पर एशेज गंवाई।राइस ने 1969 में अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया। अपनी टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से प्रतिबंधित किए जाने से एक साल पहले।

इसने उन्हें काउंटी चैंपियनशिप में खेलने से नहीं रोका, जहां उन्होंने अपनी छाप छोड़ी, 482 मैचों में 40.95 की औसत से 26,331 रन और 22.49 की औसत से 930 विकेट लिए। एक चतुर कप्तान, वह अपने चरम पर ऑलराउंडरों इयान बॉथम, रिचर्ड हैडली, कपिल देव और इमरान खान के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते थे। राइस ने 1984 में ऑलराउंडरों के लिए सिल्क कट चैलेंज जीता, जिसमें बॉथम, हैडली, कपिल और मार्शल (चोट के कारण इमरान बाहर हो गए थे) भी शामिल थे। सिर्फ 3 वनडे तक उनका करियर सिमट गया। वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहकर सभी को चौंका दिया है और उन्होंने इस फैसले का कोई कारण नहीं बताया। पूरन ने कहा कि उन्होंने काफी सोच विचारकर यह फैसला लिया है। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए खुद को चयन से बाहर कर लिया था।

लॉस एंजिल्स में स्वप्निल कुसाले का टारगेट है गोल्ड, इस बार नहीं चूकेंगे भारत के ये 'बंदूकबाज'

नई दिल्ली: पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाले भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के अपने लक्ष्य पर काम कर रहे हैं।कुसाले पेरिस में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक पदक जीतने वाले देश के पहले निशानेबाज बने थे। साल 2021 और 2022 विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले कुसाले अब तक की सफलता से संतुष्ट नहीं हैं और बड़े पदक चाहते हैं।

उन्होंने भारतीय निशानेबाजी लीग से जुड़े कार्यक्रम में कहा, 'मेरा बड़ा लक्ष्य अगला ओलंपिक है। इस बीच हालांकि जो भी स्पधाएं होंगी वे सभी महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान लॉस एंजिल्स पर है और मैं उसी दिशा में काम कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए बड़ा सोचने और सपने देखने की जरूरत है और किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह मैं भी शीर्ष स्थान की तलाश में हूं।'स्वप्निल कुसाले ने कहा, 'मौजूदा समय में मेरा ध्यान विश्व कप है। इसके बाद एशियाई खेलों के चयन ट्रायल पर ध्यान केंद्रित करूंगा।' वह आठ से 16 जून तक म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल के लिए भारतीय दल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, ह्यमेरी अगली प्रतियोगिता म्यूनिख विश्व कप है और हम आज रात ही वहां के लिए रवाना हो रहे हैं। उम्मीद है कि मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूंगा।ह्लबता दें कि लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक से पहले कुसाले के लिए ये प्रतियगिताएं काफी अहम हैं। जिस तरह से उन्होंने पेरिस में अपने निशाने से कमाल किया वैसी ही उम्मीद भारतीय फैंस अगले ओलंपिक में भी। हालांकि, उससे पहले कुसाले का लक्ष्य विश्व कप में सोने के तमगे पर निशाना लगाने की है। विश्व कप में अगर वह ऐसा करने में सफल हो जाते हैं तो निश्चित रूप में उनका आत्म विश्वास बढेगा।

तेज गेंदबाज रहे हावी या बल्लेबाज करेंगे कमाल, टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में कैसी होगी लॉर्ड्स की पिच?

एजेंसी ● लंदन

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच है। लॉर्ड्स के मैदान पर यह मुकाबला 11 जून से खेला जाएगा। 2025-25 साइकल में साउथ अफ्रीका की टीम टेबल में टॉप पर रही। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में एंट्री मारी। पैट कमिंस की टीम टूनार्मेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है तो दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल खेलेगी।

कैसी होगी लॉर्ड्स की पिच?

इंग्लैंड में पिच और परिस्थिति हमेशा तेज गेंदबाजों को मदद देने वाली होती है। गेंद सीम और स्विंग होती है। यही वजह है कि बल्लेबाज कभी भी रिलैक्स नहीं कर सकते। लॉर्ड्स में भी स्थिति कुछ ऐसी ही हो सकती है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को यहां अतिरिक्त मदद मिलती है। हालांकि अगर बल्लेबाज जल्दीबाजी नहीं करते हैं और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को संभलकर खेलते हैं तो बड़ा स्कोर भी बना सकते हैं। पहली पारी में 400 रनों तक पहुंचने वाली टीम को हराना मुश्किल होगा।

मैच के पहले दिन लंदन में मौसम सुहाना रहने

की उम्मीद है। तापमान अधिकतम 24 डिग्री तक पहुंच सकता है। बीच बीच में बादल भी आ सकते हैं। मैच के तीसरे दिन बारिश की संभावना है। दिन में करीबी 30 प्रतिशत संभावना बताई गई है जबकि रात में यह बढ़कर 55 प्रतिशत हो जाएगी। इंग्लैंड में मौसम ऐसा ही होता है। बार-बार बारिश आती रहती है और इसकी वजह से खेल रोकना पड़ता है।ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक के रिकॉर्ड को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया ने 101 मुकाबलों में 54 जीते हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम अब तक 26 मैच जीत सकी है। दोनों देशों के बीच अब तक 21 मुकाबले ड्रॉ रहे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल को देखें, तो साउथ अफ्रीका 12 में से 8 मैच जीतकर शीर्ष पर रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 19 में से 13 मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ही नहीं, ये 3 भारतीय भी पाकिस्तान के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं खेले

एजेंसी ● नई दिल्ली

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। इससे पहले रविचंद्रन अश्विन ने भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। इन क्रिकेटर्स ने दुनियाभर में क्रिकेट खेला है, लेकिन पाकिस्तान की धरती पर इन खिलाड़ियों ने एक भी मैच नहीं खेला। ऐसे ही और भी कई खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने करियर का एक भी टेस्ट मैच पाकिस्तान में नहीं खेला।रोहित शर्मा ने कुछ ही दिन पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। रोहित ने अपने करियर में 67 टेस्ट मैच खेले, लेकिन उन्होंने एक भी मैच पाकिस्तान की धरती या पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेला। उनके नाम इस फॉर्मेट में 12 शतक और 18 अर्धशतक भी हैं।

विराट कोहली ने पाकिस्तान के

खिलाफ कई यादगार पारियां खेली हैं। विराट ने वनडे और टी20 में ये कमाल किया है। लेकिन विराट ने एक भी टेस्ट मैच पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेला। विराट ने 123 टेस्ट मैचों में 30 शतक और 31 हाफ सेंचुरी लगाई थीं। लेकिन इनमें से एक भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं आई है।रविचंद्रन अश्विन ने भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। इस खिलाड़ी ने अपने करियर में 500 से ज्यादा विकेट लिए हैं और 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। लेकिन विराट, रोहित की तरह अश्विन ने भी कोई टेस्ट पाकिस्तान में नहीं खेला।

पीयूष चावला ने भी कुछ ही दिन पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। चावला ने अपने करियर में तीन ही टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने एक भी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेला था। मुरली कार्तिक ने अपने करियर में 8 टेस्ट मैच खेले और 24 विकेट अपने नाम किए। लेकिन इस खिलाड़ी ने एक भी मुकाबला पाकिस्तान में नहीं खेला। जबकि मुरली कार्तिक उस वक्त के क्रिकेटर हैं जब भारतीय टीम पाकिस्तान खेलने जाया करती थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली का टेस्ट करियर शानदार रहा। लेकिन इन खिलाड़ियों ने एक भी टेस्ट मैच आजतक पाकिस्तान में नहीं खेला। ऐसे ही और भी क्रिकेटर्स हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ एक भी टेस्ट मैच अपने करियर में नहीं खेला।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 11 जून, 2025
www.adityabharat.com

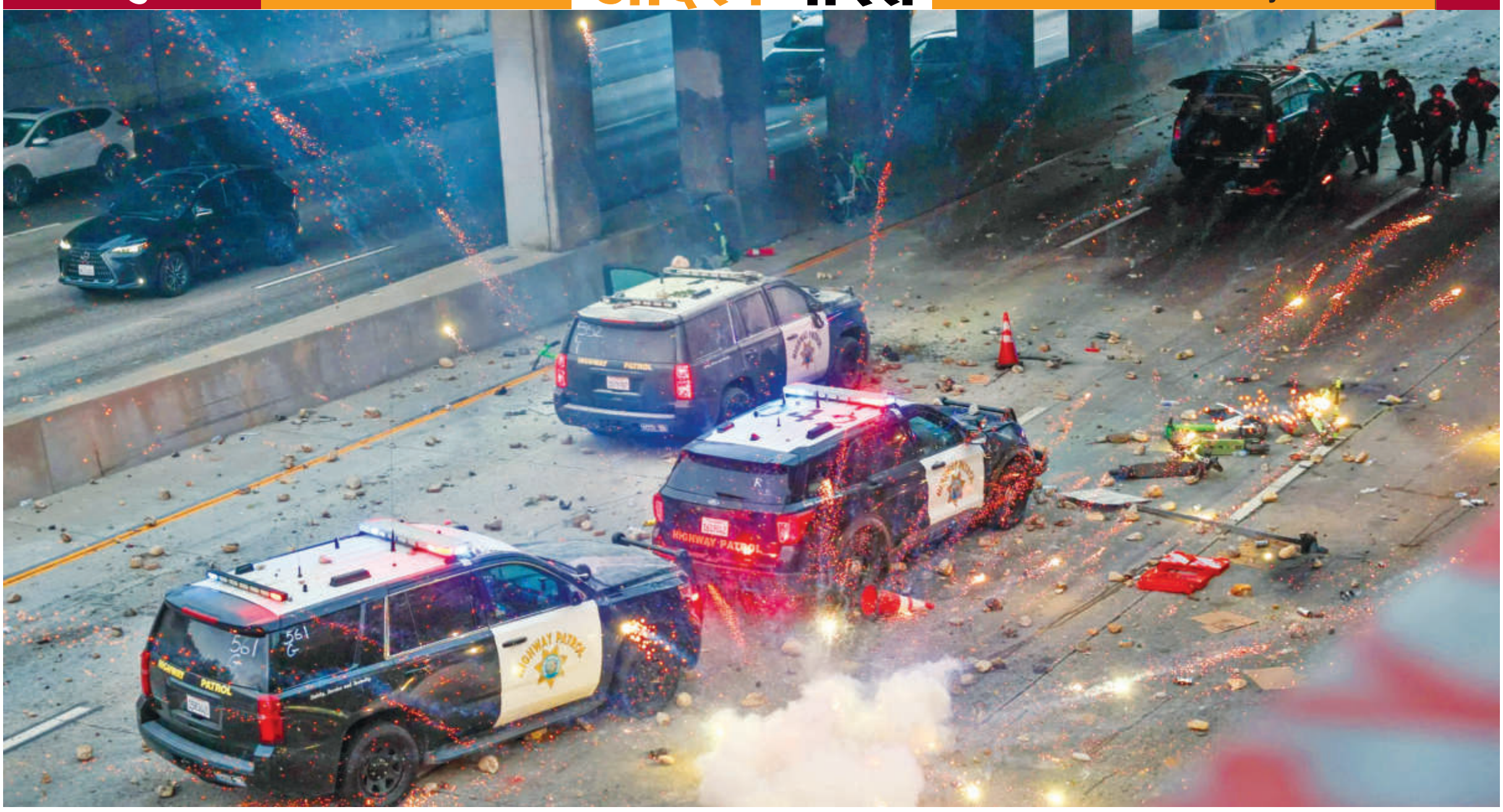

अमेरिका हिंसा I 700 मरीन कमांडों भी संभालेंगे मोर्चा

ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस और भेजे 2000 नेशनल गार्ड्स

लॉस एंजिलिस ● एजेंसी

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में 4 दिनों से जारी हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। इस प्रदर्शन को काबू करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने 2000 नेशनल गार्ड्स और तैनात करने का फैसला किया है, जिससे इनकी कुल संख्या 4000 हो जाएगी। इसके अलावा 700 मरीन कमांडों भी तैनात करने का फैसला किया है। यह नेशनल गार्ड के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। ये मरीन जवान दक्षिण कैलिफोर्निया के ट्वेंटी नाइन पाम्स बेस से आ रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती अगले कुछ घंटों में हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में फैली हिंसा और तोड़फोड़ के बाद वहां तैनात किए गए नेशनल गार्ड के जवानों की तारीफ भी की। ये जवान आमतौर पर राज्य के गवर्नरों के आदेश पर बुलाए जाते हैं, लेकिन इस बार ट्रम्प ने खुद उनकी तैनाती कर दी।

हिंसा

ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गर्वनर की गिरफ्तारी का समर्थन किया- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम को गिरफ्तार किया जाए, तो यह अच्छा कदम होगा। गेविन लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इसके खिलाफ राज्य सरकार ट्रम्प पर केस करेगी। ट्रम्प ने कहा, 'न्यूसम ने बहुत खराब काम किया है। उनका सबसे बड़ा जुर्म है कि वो फिर से गवर्नर बनना चाहते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्यूसम पसंद हैं, लेकिन कामकाज में कमजोर लगते हैं। ट्रम्प के सहयोगी और बॉर्डर अधिकारी टॉम होमन ने पहले कहा था कि अगर कोई सरकारी अधिकारी फेडरल कानून में रुकावट डालेगा तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है। हालांकि बाद में उन्होंने साफ किया कि न्यूसम की गिरफ्तारी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन 'कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई रिपोर्टर को गोली लगी

विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रही ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार लॉरेन टोमासी पर पुलिस ने रबर बुलेट फायर कर दी। यह घटना रविवार को उस समय हुई जब नाइन न्यूज की पत्रकार लॉरेन टोमासी लाइव रिपोर्टिंग कर रही थीं। वायरल हुए वीडियो में दिखा कि रबर बुलेट उनकी टांग में लगी। लॉरेन ने कहा- कई घंटों की तनातनी के बाद स्थिति अब तेजी से बिगड़ गई है। लॉस एंजिलिस पुलिस घोड़ों पर सवार होकर प्रदर्शनकारियों पर रबर बुलेट दाग रही है और उन्हें शहर के सेंटर से हटा रही है।" इस दौरान पीछे से एक पुलिस अधिकारी की आवाज आई, जो कह रहा था कि तुमने अभी पत्रकार को गोली मारी। किसी ने लॉरेन से पूछा कि क्या वह ठीक हैं, तो उन्होंने जवाब दिया- मैं ठीक हूं।

प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए

भारतीय समयानुसार सोमवार को हुए प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते नजर आए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आदेश दिया है कि जो लोग प्रदर्शन के दौरान मास्क पहन रहे हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शनकारी मास्क पहनकर सड़कों पर उतर रहे हैं ताकि वे सुरक्षा कैमरों से बच सकें। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध अप्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा।

शॉट न्यूज

अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक गिरफ्तार, बिना इजाजत के जैविक सामग्री भेजने का आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक और चीनी वैज्ञानिक को जैविक सामग्री की अवैध तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी को डेट्रॉइट एयरपोर्ट पर हुई, जब वैज्ञानिक चीन से अमेरिका पहुंची। इससे पहले भी ऐसे ही एक अन्य मामले में दो चीनी वैज्ञानिकों पर कार्रवाई की गई थी। एफबीआई के अनुसार, यह वैज्ञानिक वुहान की हुआझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से पीएचडी कर रही है और मिशिगन यूनिवर्सिटी में एक साल का शोध प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए अमेरिका आई थी। उस पर आरोप है कि उसने बिना सरकारी अनुमति के कीड़ों से जुड़ी जैविक सामग्री पहले ही मिशिगन यूनिवर्सिटी की एक लैब को भेजी थी। एफबीआई ने बताया कि जैविक सामग्री को किताब में छिपाकर भेजा गया था, जिसे पिछले साल और इस साल की शुरुआत में अमेरिकी अधिकारियों ने जब्त कर लिया।

8 मिनट के बाद फिर से जिंदा हो गई महिला मौत के बाद की दुनिया देखने का दावा

कोलोराडो। मौत के बाद की दुनिया हर किसी के लिए रहस्य ही है। हालांकि कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं जब लोगों ने दावा किया है कि उन्होंने मौत के बाद का अनुभव किया है। ऐसा ही एक मामला अमेरिका के कोलोराडो में भी सामने आया है। यहां 33 साल की महिला का दावा है कि उनकी 8 मिनट के लिए मौत हो गई थी। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रियाना लैफर्टी नाम की महिला मायोक्लॉनस डिस्टोनिया नाम की न्यूरोजॉजिकल बीमारी से जूझ रही थी। अचानक उनके शरीर ने काम करना बंद कर दिया और डॉक्टरों ने कहा कि उनकी मौत हो चुकी है। इन आठ मिनट के दौरान के अनुभव को बाद में ब्रियाना ने साझा किया। ब्रियाना ने कहा, मैं अचानक अपने भौतिक शरीर से अलग हो गई। मैं एकदम शांत थी लेकिन इतना अहसास था कि मैं मरी नहीं हूं। मुझे खुद की पूरी अनुभूति हो रही थी। इतना अनुभव इससे पहले मुझे कभी नहीं हुआ था।

अमेरिकी एयरपोर्ट पर भारतीय छात्र को जमीन पर पटका

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिका के न्यूजर्सी में एक भारतीय छात्र को न्यूयार्क एयरपोर्ट पर अपराधियों की तरह जमीन पटका गया और फिर हथकड़ी लगाकर भारत डिपोर्ट किया गया। भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन कुणाल जैन ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। जैन ने एक्स पर लिखा- मैंने न्यूअर्क एयरपोर्ट पर एक युवा भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर, रोते हुए, अपराधी की तरह ट्रीट होते देखा। वो अपने सपनों को सच करने आया था, किसी को नुकसान पहुंचाने नहीं। एक एनआरआई होने के नाते, मैं खुद को कमजोर और टूटा हुआ महसूस कर रहा हूं। जैन ने बताया कि छात्र हरियाणवी में कह रहा था- 'मैं पागल नहीं हूं, ये लोग

अपील

मुझे पागल साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।' अभी तक यह साफ नहीं है कि छात्र को किस वजह से डिपोर्ट किया गया। उन्होंने आगे कहा- ये बच्चे वीजा लेकर सुबह फ्लाइट से आते हैं। किसी कारण से इमिग्रेशन अथॉरिटीज को अपना आने का कारण समझा नहीं पाते और शाम की फ्लाइट से हाथ-पैर बांधकर, मुजरिमों की तरह भेज दिए जाते हैं। हर दिन 3-4 ऐसे मामले हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे केस ज्यादा बढ़ गए हैं। जैन ने भारतीय दूतावास, अमेरिका और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने लिखा- किसी को पता लगाना चाहिए कि इस छात्र का क्या हो रहा है।

कनाडा में खालिस्तानियों का पाकिस्तानी झंडा लगाकर प्रदर्शन

पीएम मोदी के जी-7 समिट में आने को लेकर विरोध...

अमृतसर ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले खालिस्तानी प्रदर्शनकारी एक्टिव हो गए हैं। कनाडा में जगह-जगह खालिस्तान की मांग रखते हुए रैलियां निकाली जा रही हैं, भारत विरोध नारे लग रहे हैं और पीएम मोदी को बार-बार चैलेंज भी किया जा रहा है। रविवार को कनाडा के वेंकूवर में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली। खास बात है कि इस रैली में ठीक से 50 खालिस्तानी प्रदर्शनकारी भी नहीं जुटे। बड़ी बात यह है कि प्रदर्शनकारियों की कार पर सबसे ऊंचा झंडा पाकिस्तान का लगा हुआ था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पंजाब, हिमाचल और हरियाणा को खालिस्तान

बनाने के नारे लगाए। पीएम मोदी को मारने और भारत के विरुद्ध भी नारेबाजी की गई। गौरतलब है कि आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पहले ही दावा कर चुका है कि जब पीएम मोदी G7 समिट में शामिल होने कनाडा आएंगे तो उसके समर्थक उन्हें घेरेंगे।

बांग्लादेश में यूनुस के सरकारी आवास-सचिवालय के आसपास का एरिया सील; अंतरिम सरकार की मुश्किलें बढ़ीं

ढाका में सभा और प्रदर्शन पर अनिश्चितकालीन रोक

ढाका ● एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। विपक्षी दलों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सेना के बीच भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी के केंद्र में सभी रैलियों, विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, ढाका पुलिस ने मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास 'जमुना गेस्ट हाउस' और बांग्लादेश सचिवालय के आसपास के एरिया को पूरी तरह सील कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है। जब सचिवालय में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार के एक अध्यादेश के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

विरोध

DMP कमिश्नर एसएम सज्जात अली ने बताया कि यह प्रतिबंध, सार्वजनिक व्यवस्था और चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इससे

पहले 10 मई को भी सरकार ने सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) और पुलिस की स्वाट टीमों को सरकारी इमारतों की सुरक्षा में लगाया था। फिलहाल ईद की छुट्टियों के कारण विरोध थोड़े समय के लिए थम गया है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों ने 15 जून तक मांगें पूरी नहीं होने पर देशभर के सरकारी दफ्तरों में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

बांग्लादेश सचिवालय अधिकारी-कर्मचारी एकता मंच के सह-अध्यक्ष नुरुल इस्लाम ने कहा कि आंदोलन और उग्र होगा। अगस्त 2024 से सत्ता में आई मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को पहले ही विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावी समयसीमा तय करने की मांग को लेकर घेर रही है।

म्यांमार सीमा पर गलियारा बनाने को लेकर सरकार-सेना में टकराव

बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर रखाइन जिले में मानवीय गलियारा बनाने की कथित योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने है। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर पर सहमति व्यक्त कर दी है। जब यह बात सेना को पता चली तो उनकी तरफ से नाराजगी जताई गई। आर्मी चीफ वकार ने बुधवार को इसे खूनी कॉरिडोर बताया और अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश की सेना कभी भी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जो संप्रभुता के लिए हानिकारक हो। न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत दी जाएगी। इसके बाद यूनुस सरकार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी देश के साथ म्यांमार सीमा पर रखाइन कॉरिडोर को लेकर समझौता नहीं किया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)